हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 100 ● भिलाई, गुरुवार 05 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

नकली 20 रुपये के सिक्के बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश चार गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस और उत्तर प्रदेश पुलिस ने नकली सिक्के बनाने और उनकी आपूर्ति करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य सरगना समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 20 रुपये के 6,400 नकली सिक्के बरामद किए गए हैं, जिनकी कीमत 1.28 लाख रुपये बताई गई है। इसके अलावा करीब पांच लाख रुपये मूल्य के अधबने सिक्के और नकली सिक्के तैयार करने में इस्तेमाल होने वाली भारी मशीनें भी जब्त की गई हैं। जांच में सामने आया है कि गिरोह का नेटवर्क दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड तक फैला हुआ था। गिरोह के सदस्य नकली सिक्के तैयार कर उन्हें बाजार में खपाने का काम करते थे। पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश के सहारनपुर पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग किसी बड़े स्थान की तलाश कर रहे हैं, जहां कारखाना स्थापित किया जा सके। बताया जा रहा था कि इस कारखाने में औजार बनाए जाने हैं।

केदारताल ट्रैक पर फंसे आठ ट्रैकर्स में से दो के शव मिले, छह की तलाश जारी

उत्तरकाशी। केदारताल ट्रैक पर पांच दिन से फंसे आठ पर्वतारोहियों की तलाश में जुटी राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) की टीम को मंगलवार को दो शव मिले हैं। इनमें एक महिला और एक पुरुष शामिल हैं। अन्य छह लोगों की तलाश के लिए नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (निम) और एसडीआरएफ की उच्च हिमालयी बचाव टीम ने अभियान जारी रखा है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने दो शव मिलने की पुष्टि की है। जानकारी के अनुसार, पांच दिन पूर्व केदारताल ट्रैक पर कच्ची ढांग के समीप आठ ट्रैकर्स फंस गए थे। उनकी तलाश के लिए एसडीआरएफ और निम की टीम मौसम साफ होने के बाद मंगलवार को बचाव अभियान पर निकली। समुद्र तल से करीब चार हजार मीटर की ऊंचाई पर चलाए गए इस अभियान के दौरान टीम को एक महिला और एक पुरुष का शव मिला। दोनों शव फंसे हुए ट्रैकर्स के होने की आशंका जताई जा रही है।

राज्योत्सव 2026

वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की प्रदर्शनी को प्रथम पुरस्कार

■ बदलता बस्तर–संवरता छत्तीसगढ़' थीम पर आधारित प्रदर्शनी में वन संरक्षण, पर्यटन और आजीविका की पहल को मिला सम्मान

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ पर नवा रायपुर में आयोजित राज्योत्सव 2026 में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की प्रदर्शनी को विभागीय प्रदर्शनियों की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। राज्योत्सव के समापन एवं राज्य अलंकरण समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने यह सम्मान प्रदान किया। विभाग की ओर से अपर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ और प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री अरुण कुमार पांडेय ने पुरस्कार प्राप्त किया। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने इस उपलब्धि पर विभागीय अधिकारियों- कर्मचारियों और वन धन केंद्रों से जुड़े सदस्यों को बधाई दी। गौरतलब है कि वन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में 'बदलता बस्तर-संवरता छत्तीसगढ़' थीम पर तैयार प्रदर्शनी में बस्तर में शांति के साथ बढ़ते पर्यटन और आजीविका के अवसरों से लेकर प्रदेश में वन एवं वन्यजीव संरक्षण की पहलों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया। प्रदर्शनी को दो प्रमुख हिस्सों में विभाजित किया गया था। प्रवेश द्वार



पर जगदलपुर के जनजातीय गौरव वाटिका, बीजापुर स्थित इंद्रावती टाइगर रिजर्व के चेंदरू गेट और दंतेवाड़ा के वन मंदिर के प्रतिरूप बनाए गए थे। इनके माध्यम से बस्तर की जनजातीय संस्कृति, प्रकृति के प्रति आस्था और वन्यजीवों के साथ सह-अस्तित्व की परंपरा को प्रदर्शित किया गया। बदलता बस्तर' खंड में सुकमा के तुंगल डैम स्थित 'तुंगल कैफे' की पहल विशेष आकर्षण रही। यहां मुख्यधारा में लौट चुकी पूर्व महिला नक्सली कैफे का संचालन कर रही हैं, जबकि स्थानीय युवा पर्यटकों को नौकायन और कयाकिंग की सुविधा उपलब्ध कराकर आजीविका अर्जित कर रहे हैं। प्रदर्शनी में इस पहल के माध्यम से बस्तर में बदलते सामाजिक परिवेश और रोजगार के नए अवसरों को सामने रखा गया। इसके साथ ही कांगेर घाटी के समीप धुड़मारास गांव के होमस्टे, कोंडागांव की पुष्पाल घाटी के इको-कॉटेज, तीरथगढ़ जलप्रपात और इंद्रावती टाइगर रिजर्व के मड्डीमरका क्षेत्र के मॉडल प्रदर्शित किए गए। धुड़मारास गांव का चयन संयुक्त राष्ट्र पर्यटन संगठन के 'बेस्ट टूरिज्म विलेज अपग्रेड प्रोग्राम' में हुआ है। प्रदर्शनी में बस्तर की 572 देवगुड़ियों के जीर्णोद्धार, मनरेगा के अंतर्गत 21.67 लाख मानव दिवस रोजगार सृजन तथा कांगेर वैली में 35 सफारी जिप्सियों के संचालन से 200 स्थानीय युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की जानकारी भी दी गई।

डिजिटल तकनीक और वन उत्पादों ने भी किया आकर्षित

प्रदर्शनी में क्यूआर कोड आधारित वन्यजीव प्रश्नोत्तरी, इंटरैक्टिव गेम, 360 डिग्री वर्चुअल रियलिटी, लाइट एंड साउंड प्रभाव तथा सेल्फी प्वाइंट दर्शकों, विशेषकर युवाओं के आकर्षण का केंद्र रहे। क्यूआर कोड स्कैन कर दर्शकों ने विभाग की विशेष वेबसाइट के माध्यम से वानिकी योजनाओं और प्रदेश के इको-टूरिज्म स्थलों की जानकारी प्राप्त की। संयुक्त वन प्रबंधन के स्टॉल पर ग्रामीण कारीगरों द्वारा निर्मित बांस के घर, नाव, लालटेन और सजावटी वस्तुओं की बिक्री हुई। 'छत्तीसगढ़ हर्बल्स' के स्टॉल पर वन मधु, सफेद मूसली, त्रिफला चूर्ण, एलोवेरा शैम्पू और महाभृंगराज तेल जैसे वन धन केंद्रों में तैयार उत्पादों ने भी लोगों को आकर्षित किया।

मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला

अग्निवीरों को 2 साल का एक्सटेंशन 75 प्रतिशत जवानों को मिलेगा मौका

नई दिल्ली/ एजेंसी



भारतीय सशस्त्र बलों में अग्निवीर के रूप में सेवा दे रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। केंद्र सरकार ने अग्निपथ योजना में बड़ा बदलाव करते हुए अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त सेवा विस्तार देने का फैसला किया है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने 4 नवंबर को इसकी जानकारी दी। केंद्रीय कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। नई व्यवस्था के तहत शुरुआती चार साल की सेवा पूरी करने के बाद नियमित कैडर में शामिल नहीं होने वाले 75 प्रतिशत अग्निवीरों को दो साल और सेवा करने का अवसर मिलेगा। इस तरह उनका संभावित सेवा कार्यकाल चार साल से बढ़कर छह साल हो जाएगा। खास बात यह है कि दो साल का अतिरिक्त कार्यकाल पूरा करने के बाद भी अग्निवीरों को नियमित सशस्त्र बलों में शामिल होने का अवसर मिल सकेगा। इसके लिए प्रदर्शन और निर्धारित चयन मानदंडों को आधार बनाया जाएगा। सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने बताया कि अग्निपथ योजना की शुरुआत के समय ही यह स्पष्ट कर दिया गया था कि इसकी समय-समय पर समीक्षा की जाएगी। इसी के तहत तीनों सेनाओं में अग्निवीरों के प्रदर्शन का लगातार मूल्यांकन किया गया। इसके लिए एक केंद्रीकृत डेटाबेस भी तैयार किया गया था, जिसमें थल सेना, वायुसेना और नौसेना के अग्निवीरों के प्रदर्शन का रिकॉर्ड रखा गया। हर साल उनके कामकाज की समीक्षा की गई।

अभिनेता तुषार कपूर से मांगी 5 करोड़ की रंगदारी, लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर मिली धमकी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता तुषार कपूर को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर धमकी देकर 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। कथित तौर पर अभिनेता को फोन करने वाले ने खुद को गैंग से जुड़ा बताते हुए हैरी बॉक्सर के नाम का इस्तेमाल किया। धमकी मिलने के बाद तुषार कपूर ने बिना देरी किए मुंबई पुलिस को इसकी सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हालांकि, शुरुआती जांच में एक चौंकाने वाली बात सामने आई है। पुलिस ने धमकी भरे कॉल में सुनाई देने वाली आवाज का मिलान लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य हैरी बॉक्सर के उपलब्ध ऑडियो सैंपल से कराया।

ट्रंप का सूपड़ा साफ

यूएस मिडटर्म चुनाव में ट्रंप की पार्टी हारी दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स को बहुमत मिली

नई दिल्ली/ एजेंसी



अमेरिकी मध्यावधि चुनाव या यूएस मिडटर्म चुनाव-2026 के नतीजे लगभग साफ हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सूपड़ा साफ हो गया है। ट्रंप की पार्टी रिपब्लिकन पार्टी यानी 'ग्रैंड ओल्ड पार्टी'अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में हार चुकी है यानी बहुमत से दूर हो गई है। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने दोनों सदनों हाउस और सीनेट में बहुमत हासिल कर लिया है। दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स के हाथों करारी शिकस्त के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने हार स्वीकार कर ली है। साथ ही विपक्ष के साथ मिलकर काम करने की बात कही। अमेरिकी मिडटर्म चुनाव हारने के बाद पहली प्रतिक्रिया देते हुए ट्रंप ने कहा कि उन्होंने कहा कि वह चुनावी बैलेट पर नहीं थे। अगर उनका नाम बैलेट पर होता, तो उनकी पार्टी बड़े अंतर से जीतती। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। उन्होंने कहा कि मैं इन नतीजों को स्वीकार करने के लिए पूरी तरह तैयार हूं। हम डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर काम करेंगे। उनके साथ काम करने को लेकर हम उत्साहित हैं। उम्मीद है कि हम कोई रास्ता निकाल लेंगे। दरअसल अमेरिकी संसद के हाउस सदन में में कुल 435 सीटें हैं और सभी सीटों पर चुनाव हुए हैं। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी 220 सीटों पर जीत हासिल कर ली है। जबकरि राष्ट्रपति ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी 129 सीटों पर जीत चुकी है। यहां बहुमत के लिए 218 सीटों की जरूरत होती है।

दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने पर रोक गलत?

सुको ने कहा है अब इन कानूनों की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। स्थानीय निकायों और पंचायत चुनावों में दो से अधिक बच्चे होने पर उम्मीदवारी रद्द करने वाले कानूनों पर सुप्रीम कोर्ट ने अत्यंत महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि भारत में प्रजनन दर तेजी से गिर रही है, जिसके चलते आबादी नियंत्रण के नाम पर बने दो बच्चों की बाध्यता वाले कानून अब अपनी प्रासंगिकता खो चुके हैं और इनके पीछे का तर्क बेमानी हो गया है। देश के कई राज्यों में स्थानीय निकाय और पंचायती राज चुनावों में जनसंख्या नियंत्रण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'दो बच्चों की



नीति' लागू की गई थी। इसके तहत दो से अधिक जीवित संतान होने पर व्यक्ति को चुनाव लड़ने के अयोग्य घोषित कर दिया जाता था। हालांकि, पिछले दो दशकों में भारत के सामाजिक और जनसांख्यिकीय परिदृश्य में व्यापक बदलाव आया है।

जोधपुर मेडिकल कॉलेज में रैगिंग के मामले में 19 छात्र सस्पेंड

जोधपुर। राजस्थान के बाड़मेर में हुई रैगिंग की घटना के तुरंत बाद जोधपुर से भी इसी तरह की एक और घटना सामने आई है। जोधपुर के डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने जूनियर एमबीबीएस छात्रों के साथ रैगिंग और दुर्व्यवहार के आरोपों की जांच के बाद एक जूनियर रेजिडेंट सहित 19 लोगों को सस्पेंड कर दिया है। एक जूनियर रेजिडेंट समेत 5 छात्रों 3 महीने के लिए सस्पेंड कर दिया गया है जबकि बाकी 14 छात्रों को 1 महीने के लिए सस्पेंड किया गया है। सस्पेंशन की अवधि के दौरान इन सभी छात्रों को क्लिनिकल पोस्टिंग, शैक्षणिक गतिविधियों और शैक्षिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने से रोक दिया गया है।

जोरदार हंगामा प्रदर्शन

पूर्व विधायक के बिजनेस प्रतिष्ठान में युवती की लाश मिली परिजनों ने दुष्कर्म के बाद हत्या करने का आरोप लगाया...

रायपुर। बस्तर जिले के जगदलपुर में एक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित एक कपड़ा शोरूम की छत पर कर्मचारी दीपा सागर का शव मिलने से हड़कंप मच गया। परिजनों ने युवती के शरीर पर चोट के निशान होने का दावा करते हुए हत्या की आशंका जताई है। वहीं, पुलिस को घटनास्थल से एक कथित सुसाइड नोट भी मिला है। पुलिस आत्महत्या समेत सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, दीपा सागर ने 21 अक्टूबर को कपड़ा शोरूम में काम करना शुरू किया था। परिजनों के मुताबिक, रविवार शाम करीब 6:30 से 7 बजे के बीच उनकी दीपा से फोन पर बात हुई थी। बातचीत के दौरान उसने कहा था कि वह अभी बात नहीं कर सकती और बाद में फोन करेगी। यह व्यावसायिक परिसर भाजपा के पूर्व विधायक का बताया जाता है। मृतका के परिजनों ने युवती के साथ दुष्कर्म (रेप) करने के बाद बर्बरतापूर्वक उसकी हत्या करने और साक्ष्य छिपाने के लिए शव को फंदे पर लटकाने का सनसनीखेज आरोप लगाया है। इस घटना के बाद परिजनों सहित स्थानीय वार्डवासियों में भारी

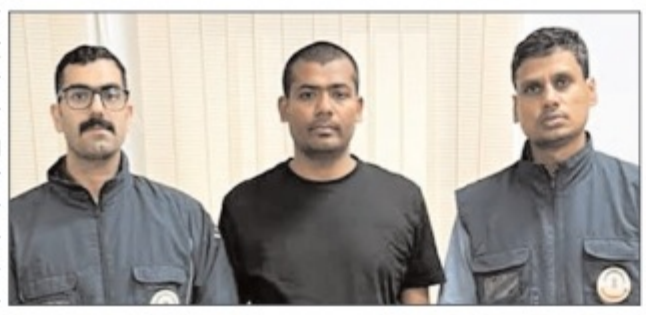


आक्रोश व्याप्त है। मंगलवार को गुस्साए लोगों ने मृतका की तस्वीर हाथ में लेकर बाफ्ना हाउस तक रैली निकाली और जमकर विरोध प्रदर्शन करते हुए निष्पक्ष जांच एवं न्याय की मांग की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित युवती बीते 21 अक्टूबर 2026 से जगदलपुर स्थित बाफ्ना हाउस में काम करने जा रही थी। इस परिसर में कपड़े और ज्वेलरी का बड़ा व्यावसायिक कारोबार होता है। 2 नवंबर 2026 को बाफ्ना हाउस परिसर में युवती का शव जमीन पर संदिग्ध हालत में पड़ा हुआ पाया गया था। शव के गले में चुन्नी का आधा टूटा हुआ फंदा लिपटा था, जबकि चुन्नी का शेष हिस्सा ऊपर लटक रहा था। घटना के बाद से ही परिजन इस मौत को आत्महत्या मानने से साफ इनकार कर रहे थे। परिजनों ने जब अंतिम संस्कार से पूर्व शव की स्थिति देखी, तो उनके संदेह को बल मिला। इन निशानों और स्थिति को देखते हुए परिजनों ने आशंका जताई है ।

महादेव सट्टा ऐप केस

आरोपी सौरभ चंद्राकर को 8 दिन की सीबीआई रिमांड अब सीबीआई मुख्यालय नई दिल्ली में होगी पूछताछ....

रायपुर। महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी एप मामले में आरोपी सौरभ चंद्राकर को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। रायपुर की विशेषसीबीआई अदालत ने सौरभ चंद्राकर की 8 दिन की कस्टोडियल रिमांड मंजूर कर दी है। इसके साथ ही सीबीआई को उसे दिल्ली स्थित अपने मुख्यालय ले जाकर पूछताछ करने की अनुमति भी मिल गई है। अब सौरभ से दिल्ली में सीबीआई की टीम पूछताछ करेगी। कोर्ट से रिमांड मिलने के बाद सीबीआई की जांच आगे बढ़ेगी। एजेंसी सौरभ चंद्राकर से महादेव ऑनलाइन बेटिंग एप के संचालन, कथित सट्टेबाजी नेटवर्क, आर्थिक लेन-देन और इस पूरे सिंडिकेट से जुड़े लोगों के बारे में पूछताछ कर सकती है। सौरभ चंद्राकर को



ओमान से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया था। इसके बाद सीबीआईउसे दिल्ली से रायपुर लेकर पहुंची और बुधवार को विशेष सीबीआई अदालत में पेश किया। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने गिरफ्तारी की वैधता और प्रत्यर्पण की शर्तों को लेकर सवाल उठाए थे। वहीं, सीबीआई ने रिमांड की मांग करते हुए पूछताछ की जरूरत बताई थी। अब अदालत से रिमांड और दिल्ली मुख्यालय ले जाने की अनुमति मिलने के बाद सीबीआई की टीम उससे विस्तार से पूछताछ करेगी। सीबीआईमुख्यालय में यह पूछताछ सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में की जाएगी। कोर्ट ने पूछताछ के दौरान सौरभ चंद्राकर को शाम के समय अपने वकील से मुलाकात करने की अनुमति भी दी है। वहीं, प्रवर्तन निदेशालय ने भी सौरभ चंद्राकर की कस्टडी हासिल करने के लिए अदालत में आवेदन लगाया है। ऐसे में सीबीआई की पूछताछ के बाद ED की ओर से भी उसकी कस्टडी मांगे जाने की प्रक्रिया अहम हो सकती है।

सौरभ चंद्राकर के बाद उसका करीबी रवि उप्पल भी दुबई में गिरफ्तार

रायपुर। महादेव ऑनलाइन सट्टा एप मामले में जांच एजेंसियों का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी के बाद अब उसके करीबी साथी और कारोबारी पार्टनर रवि उप्पल को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, रवि उप्पल की गिरफ्तारी दुबई में हुई है। महादेव सट्टा एप मामले में रवि उप्पल की गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है, जब जांच एजेंसियां इस नेटवर्क से जुड़े वित्तीय लेनदेन, हवाला कारोबार और अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही हैं। रवि उप्पल को इस पूरे नेटवर्क का सह-संस्थापक और सौरभ चंद्राकर का प्रमुख सहयोगी बताया जाता है।



इधर पुलिस कर रही तलाश

उधर गुजराती थाली का आनंद ले रहे है जोगी...!

रायपुर। 'ज्ञानु और जानू' वीडियो के साथ वायरल हो रहे जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के नेता अमित जोगी को एक तरफ मामले में पूछताछ के लिए रायपुर पुलिस तलाश कर रही है, वहीं प्रदेश में कोसो दूर गुजरात के सूरत शहर में अमित जोगी गुजराती थाली का आनंद लेते हुए, फोटो सोशल मीडिया में शेयर कर रहे हैं. बता दें कथित आपत्तिजनक वीडियो के सोशल मीडिया में आने के बाद भाजपा के नेताओं ने जनता कांग्रेस के नेता अमित जोगी के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया था. इस पर रायपुर की सिविल लाइंस पुलिस ने धारा 196, 352, 353(2), 356



(2) बीएनएस एवं आईटी एक्ट के तहत मामले दर्ज कर जांच में जुट गई है. मामले में पूछताछ में शामिल होने के लिए जोगी निवास के बाहर नोटिस चस्पा भी कर दिया है. सोशल मीडिया में बवाल कटने के बाद हालांकि, अमित जोगी ने माफी मांगते हुए अपना पोस्ट डिलिट कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार



लालपुर विद्यालय में सुरक्षित बचपन अभियान के तहत जागरूकता शिविर आयोजित, 310 छात्र-छात्राओं को दी गई पॉक्सो एक्ट की जानकारी

मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। बच्चों की सुरक्षा, उनके अधिकारों एवं लैंगिक अपराधों से बचाव के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 31 अक्टूबर 2026 को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लालपुर, मनेन्द्रगढ़ में सुरक्षित बचपन अभियान के तहत विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में व्यवहार न्यायालय मनेन्द्रगढ़ की न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) माननीय भूमिका ध्रुव विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान माननीय भूमिका ध्रुव ने छात्र-छात्राओं को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 (पॉक्सो एक्ट) के प्रावधानों, बच्चों के अधिकारों तथा लैंगिक अपराधों से बचाव के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को जागरूक रहने, किसी भी प्रकार के अनुचित व्यवहार या शोषण की स्थिति में आवाज उठाने तथा आवश्यकतानुसार कानूनी सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। शिविर में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। इसके साथ ही मोटर वाहन अधिनियम एवं सड़क सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां देकर विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक किया गया।



छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में वन्यजीव छायाकार हेमंत वर्मा सम्मानित,पक्षी संरक्षण और दुर्लभ 'मालाबार जायंट स्क्विरल' की ऐतिहासिक खोज को मिली पहचान

बलौदा बाजार । छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा जिले के प्रसिद्ध वाइल्डलाइफफोटोग्राफर एवं पर्यावरण संरक्षक हेमंत वर्मा को सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान बर्डिंग (पक्षी संरक्षण), प्रकृति जागरूकता तथा देवपुर वन परिक्षेत्र में अत्यंत दुर्लभ 'मालाबार जायंट स्क्विरल' (विशाल भारतीय गिलहरी) को कैमरे में कैद कर वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित करने के लिए प्रदान किया गया है। पेशे से साइबर सिक्योरिटी रिस्क ऑडिटर हेमंत वर्मा ने बर्ड ट्रेल्स और ग्रामीण संवाद के जरिए 200 से अधिक युवाओं को 'प्रकृति प्रहरी' के रूप में तैयार किया है। उनकी इस ऐतिहासिक खोज को छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के करेंट अफेयर्स (समसामयिकी) में प्रमुखता से स्थान दिया गया। बलौदाबाजार जिले के प्रतिष्ठित नागरिकों की ओर से अनुशंसा के बाद जिला प्रशासन द्वारा मिले इस सम्मान पर जिले के पर्यावरण प्रेमियों और नागरिकों ने हर्ष व्यक्त किया है।



'सशक्त नारी, युवा उड़ान' के संकल्प के साथ गूंजा राज्योत्सव का मंच, छत्तीसगढ़ की संस्कृति और विकास की दिखी गौरवशाली झलक

अम्बागढ़ चौकी। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के मिनी स्टेडियम मोहला में सोमवार को जिला स्तरीय छत्तीसगढ़ राज्योत्सव उत्साह, उमंग और गौरवपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस वर्ष राज्योत्सव की थीम 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' रखी गई है, जो महिला सशक्तिकरण और युवाओं की क्षमता को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का संदेश देती है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा शामिल हुईं। उन्होंने छत्तीसगढ़ महतारी के शैलचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान एवं छत्तीसगढ़ के राजकीय गीत का गायन किया गया। पूरे आयोजन में प्रदेश की गौरवशाली पहचान, सांस्कृतिक विरासत और विकास के संकल्प की झलक देखने को मिली। मुख्य अतिथि लक्ष्मी वर्मा ने राज्योत्सव स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए विभागीय स्टालों एवं विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने विभागीय योजनाओं, नवाचारों और उपलब्धियों की जानकारी लेते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के प्रयासों की सराहना की तथा संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' केवल एक थीम नहीं, बल्कि सशक्त और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का संकल्प है।

लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से ओड़गी में सड़क-पुल निर्माण को मिली स्वीकृति, 1 करोड़ 65 लाख 85 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति

सूरजपुर। सूरजपुर जिले के ओड़गी विकासखंड के ग्राम पंचायत खालबहारा में सड़क संपर्क को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा भटगांव विधायक लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से खालबहारा मेन रोड से पंचायत भवन तक 1.50 किलोमीटर लंबे मार्ग का पुल-पुलियों सहित निर्माण स्वीकृत हुआ है। लोक निर्माण विभाग ने इस कार्य के लिए 1 करोड़ 65 लाख 85 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। इस मार्ग के निर्माण से ग्रामवासियों को पंचायत भवन तक पहुंचने में सुविधा होगी। पंचायत भवन ग्रामीणों के लिए स्थानीय स्तर पर विभिन्न कामों और बैठकों का प्रमुख केंद्र होता है। सड़क बनने से वहां तक आवागमन सुगम होगा और क्षेत्र के लोगों को दैनिक जरूरतों के लिए आने-जाने में सहूलियत मिलेगी। मार्ग में पुल-पुलियों का निर्माण भी प्रस्तावित है, जिससे सड़क संपर्क को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। राज्य शासन ने यह स्वीकृति वर्ष 2025-26 के बजट में शामिल कार्य के अंतर्गत प्रदान की है।

अटल जी के बनाए छत्तीसगढ़ को विकास और समृद्धि की नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे: सांसद राधेश्याम राठिया

सांसद ने दीप प्रज्ज्वलित कर जिला स्तरीय राज्योत्सव का किया शुभारंभ

- शासकीय विभागों के स्टॉलों का किया अवलोकन;
- जिलेवासियों के साथ दर्शक दीर्घा में बैठकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का लिया आनंद
- अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान का स्मरण कर विकसित और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ का संकल्प दोहराया



सारंगढ़-बिलाईगढ़। सारंगढ़ के खेलभाठा मैदान में आयोजित एकदिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव का रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद राधेश्याम राठिया ने दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया। शुभारंभ से पहले उन्होंने आयोजन स्थल पर लगाए गए शासकीय विभागों के स्टॉलों का अवलोकन किया और विभागीय योजनाओं तथा सेवाओं की जानकारी ली। समारोह का आगाज छत्तीसगढ़ के राजकीय गीत, राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के गायन से हुआ। अतिथियों का स्वागत कर उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किए गए।

मुख्य अतिथि राठिया ने अपने संबोधन में राज्योत्सव को छत्तीसगढ़ के गौरव, पहचान और सामूहिक उत्सव का अवसर बताया। उन्होंने कहा कि राज्य निर्माण के लिए पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के प्रति प्रदेशवासी सदैव कृतज्ञ रहेंगे। राज्य के गठन के पीछे लंबे संघर्ष और अनेक महापुरुषों का योगदान रहा है। भगवान बिरसा मुंडा और वीर नारायण सिंह जैसे महापुरुषों के बलिदान और आदर्शों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को प्रदेश के इतिहास और उसके निर्माण की यात्रा से परिचित कराना जरूरी है।

सांसद ने कहा कि छत्तीसगढ़ को सुंदर, सुरक्षित, समृद्ध और विकसित बनाने की जिम्मेदारी सभी की है। राज्य की प्रगति के लिए सरकार और समाज को मिलकर काम करना होगा, ताकि विकास का लाभ गांव-गांव और हर वर्ग तक पहुंचे। शिक्षा, स्वास्थ्य और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि गांवों तक नल से जल पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराने की दिशा में भी काम हो रहा है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में शुरू की गई एक और दो रुपये किलो चावल योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी जनकल्याणकारी योजनाओं ने जरूरतमंद परिवारों को संबल दिया है।

किसानों की खुशहाली को प्रदेश की समृद्धि का आधार बताते हुए राठिया ने धान खरीदी और कृषि क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित लाभ मिले और गांवों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ें, इसके लिए निरंतर प्रयास जरूरी हैं। महिला सशक्तीकरण के संदर्भ में उन्होंने लखपति दीदी पहल का उल्लेख किया और कहा कि स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आजीविका तथा आत्मनिर्भरता के नए अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने युवाओं के कौशल विकास और रोजगार के अवसर बढ़ाने, सड़कों तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करने और ऐसा वातावरण बनाने पर जोर दिया, जिसमें लोगों को रोजगार के लिए बाहर जाने की मजबूरी न हो।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद

राज्योत्सव के दौरान मुख्य अतिथि सांसद राधेश्याम राठिया ने जिलेवासियों के साथ दर्शक दीर्घा में बैठकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया। छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति और लोकपरंपराओं पर आधारित प्रस्तुतियों का दर्शकों ने उत्साहपूर्वक आनंद लिया। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय ने अपने संबोधन में छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण के लिए स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर गांव और विकसित, समृद्ध छत्तीसगढ़ का सपना तभी साकार होगा, जब युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिले, महिलाएं सुरक्षित और स्वावलंबी हों तथा किसान खुशहाल रहें। उन्होंने प्रदेश के विकास को आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत बताई। समारोह में पूर्व विधायक केराबाई मनहर, पूर्व विधायक शमशेर सिंह सारथी, ज्योति पटेल, सुभाष जलान, द्वारिका साहू, हरिनाथ खुटे, शिवकुमारी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अजय जवाहर नायक, भुवन मिश्रा और बेदराम जांगडे, मनोज जायसवाल जीवन रात्रे, चंद्रिका ठाकुर, सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कलेक्टर मती पद्मिनी भोई साहू, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ऋषिकेश तिवारी, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक और सारंगढ़ एसडीएम दशरथ राजपू प्रशासनिक अधिकारी सहित जिले के पत्रकार साथी भी समारोह में शामिल हुए। जहाँ भटगांव से के. पी. पटेल जिला ब्यूरोचीफपिपुल्स समाचार एवं नवग्रदेश, योगेश केशवानी पायनियर संवाददाता, सुरेश रघु संवाददाता दबंग दुनिया उपस्थित रहे।

सांसद विजय बघेल ने गिनाई राज्य और जिले के विकास की उपलब्धियां, जिलेवासियों को दी राज्योत्सव की शुभकामनाएं



गौरवशाली इतिहास को संजोते हुए विकसित छत्तीसगढ़ की ओर अग्रसर : सांसद बघेल

बेमेतरा। बेसिक स्कूल ग्राउंड मैदान बेमेतरा में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद विजय बघेल ने जिलेवासियों को राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सांसद बघेल अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और परंपरा को संजोए रखने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ को तराश कर विकसित और समृद्ध राज्य बनाने की दिशा में अनूठा कार्य हो रहा है। सांसद बघेल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ को समृद्ध, खुशहाल, सशक्त नारी और युवा उड़ान के लिए महत्वाकांक्षी योजनाएं बनाई जा रही हैं। महतारी वंदन, कृषक उन्नति, नियद नेल्ला नार जैसी योजनाओं ने प्रदेश के विकास को नई गति दी है। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि बेमेतरा जिले में शिक्षा, सिंचाई, पेयजल और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास कार्य हो रहे हैं। शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। विधायक ईश्वर साहू ने कहा कि हम सभी को संकल्प के साथ क्षेत्र और राज्य को स्वच्छ, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने में अपना योगदान देना होगा। युवाओं को आगे आकर विकास में सहभागी बनना होगा। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने जिले में हुए चहुंमुखी विकास की जानकारी देते हुए कहा कि जिले में विकास, शांति, सुशासन और जल संरक्षण के क्षेत्र में जनभागीदारी से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य और अधोसंरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की गई हैं।कार्यक्रम के अंत में सांसद श्री विजय बघेल सहित जनप्रतिनिधियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम और विभागीय स्टॉल प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्कूली छात्र-छात्राओं और विभागों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

विकासखंड स्तरीय विज्ञान मेले का भव्य एवं सफल आयोजन



सक्ती। गुंजन एजुकेशन सेंटर, सक्ती में दिनांक 02 नवंबर 2026 को विकासखंड स्तरीय विज्ञान मेले का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। विज्ञान मेले का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार की क्षमता, रचनात्मक सोच तथा अनुसंधान के प्रति रुचि विकसित करना था। इस आयोजन में विकासखंड के विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा एवं वैज्ञानिक सोच का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विज्ञान मेले में विद्यार्थियों ने भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा, गणितीय मॉडल, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता डिजिटल तकनीक तथा ग्रामीण विकास में विज्ञान के उपयोग से संबंधित आकर्षक एवं नवाचारपूर्ण मॉडल प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने अपने प्रादर्शों के माध्यम से वैज्ञानिक सिद्धांतों को सरल, रोचक एवं व्यावहारिक रूप में समझाया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की वंदना एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। संस्था के प्राचार्य श्री नितिन सोनी एवं उपस्थित अतिथियों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

चिरमिरी नगर निगम में संसाधनों का अभाव, बिजली कर्मचारियों को कचरा वाहनों के सहारे करना पड़ रहा काम

- क्षतिग्रस्त सीढ़ी के सहारे बिजली सुधारने को मजबूर कर्मचारी, निगम की व्यवस्थाओं पर उठे सवाल



चिरमिरी। चिरमिरी नगर पालिक निगम में व्यवस्थाओं की कमी का असर अब आम जनता के साथ-साथ निगम के कर्मचारियों पर भी दिखाई देने लगा है। शहर में बिजली व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने की जिम्मेदारी संभालने वाले बिजली विभाग के पास अपना वाहन तक उपलब्ध नहीं है। वाहन के अभाव में बिजली कर्मचारियों को गीला कचरा एवं सूखा कचरा संग्रहण करने वाले वाहनों के सहारे काम करना पड़ रहा है। सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि बिजली कर्मचारियों को कार्य करने के लिए उपलब्ध कराई गई सीढ़ी भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। इसके बावजूद कर्मचारी उसी सीढ़ी के सहारे बिजली संबंधी कार्य करने को मजबूर हैं। ऐसे में कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। विडंबना यह है कि नगर निगम क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं और व्यवस्थाओं को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। सड़क, साफ-सफाई और अन्य मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं के बीच अब निगम के कर्मचारी भी आवश्यक संसाधनों के अभाव का सामना कर रहे हैं। सवाल यह है कि जब बिजली विभाग के कर्मचारियों को पर्याप्त वाहन और सुरक्षित उपकरण ही उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं, तो शहर की बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने की अपेक्षा कैसे की जा सकती है? अब देखना होगा कि नगर निगम प्रशासन इस समस्या को कितनी गंभीरता से लेता है और बिजली कर्मचारियों को आवश्यक वाहन एवं सुरक्षित उपकरण कब तक उपलब्ध कराए जाते हैं।

आयुष्मान योजना में फर्जीवाड़ा, 16 अस्पताल ब्लैक लिस्टेड

कोरबा। आयुष्मान भारत योजना के तहत मरीजों को मिलने वाली निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं में गड़बड़ी और वित्तीय अनियमितताओं के मामले में छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। प्रदेश के 16 अस्पतालों को आयुष्मान योजना से बाहर करते हुए ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। इस सूची में कोरबा का हरिकृष्णा केयर हॉस्पिटल भी शामिल है। वहीं, शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज और रावतपुरा सरकार मेडिकल कॉलेज जैसे बड़े संस्थानों पर भी कार्रवाई की गई है। स्वास्थ्य विभाग की जांच में 19 अस्पतालों में से 16 में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। इसके बाद विभाग ने इन अस्पतालों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए आयुष्मान योजना के तहत उपचार की सुविधा पर रोक लगा दी है। जांच में केवल तीन अस्पतालों को राहत मिली है, जिनमें बिलासपुर का मेहता चिल्ड्रेन हॉस्पिटल, रायपुर का विजन सेंटर आई हॉस्पिटल और सरगुजा का डीएचटी हॉस्पिटल शामिल हैं।

मंदिर की लगभग 20 करोड़ की 14 हेक्टेयर भूमि निजी व्यक्ति के नाम पर दर्ज करने का आरोप, जांच और नामांतरण पर रोक की मांग



बेमेतरा/नवागढ़। जिले की तहसील नांदघाट के ग्राम मुर्रा स्थित श्रीमूर्ति राधाकृष्ण मंदिर की भूमि के नामांतरण को लेकर शिकायत कलेक्टर और एसडीएम को सौंपी गई है।

क्या है मामला-शिकायत के अनुसार ग्राम मुर्रा प.ह.नं. 17 की खसरा नंबर 202, 399, 459, 514, 594, 595, 612, 637 कुल रकबा 14.05 हेक्टेयर भूमि 70 वर्षों से श्रीमूर्ति राधाकृष्ण मंदिर के नाम पर दर्ज थी। यह भूमि डामरीकृत सड़क से लगी हुई है, जिसका बाजार मूल्य लगभग 20 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। आरोप है कि तहसील कार्यालय द्वारा रा.प्र.क. 2025-26 में पारित आदेश दिनांक 20.05.2026 से उक्त भूमि को मंदिर के नाम से हटाकर एक निजी व्यक्ति के भू-स्वामी हक में दर्ज कर दिया गया, जबकि संबंधित व्यक्ति का देहांत पहले ही हो चुका था। शिकायतकर्ता का कहना है कि म.प्र. शासन के 1962 के परिपत्र के अनुसार देव मूर्ति / मंदिर की भूमि में प्रबंधक के रूप में कलेक्टर का नाम दर्ज होना चाहिए और भूमि में विलोपन या परिवर्तन का अधिकार केवल सक्षम व्यवहार न्यायालय को है। आरोप में यह भी कहा गया है कि पुराने मिसल अभिलेख 1985-86 और वर्तमान भू-अभिलेख 2025-26 की सम्यक जांच किए बिना, बिना वैध दस्तावेज के भू-राजस्व संहिता की धाराओं की गलत व्याख्या कर अपने क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर विधि विरुद्ध आदेश पारित किया गया है।

विक्रय की तैयारी का आरोप

विजय उपाध्याय ने शिकायत में बताया है कि उक्त भूमि पर फौती नामांतरण हेतु इश्तहार प्रकाशन किया जा चुका है और फौती के बाद तत्काल विक्रय पंजीयन कराने की तैयारी है। आवेदनकर्ताओं द्वारा भूमि का सौदा किए जाने की बात भी शिकायत में कही गई है। सोमवार को कलेक्टर बेमेतरा, एसडीएम नवागढ़ को शिकायत की कॉपी देते हुए विजय उपाध्याय ने कहा कि मंदिर की भूमि के फौती नामांतरण पर तत्काल रोक लगाई जाए। अवैधानिक आदेश को निरस्त कर भू-अभिलेखों में प्रबंधक कलेक्टर का नाम दर्ज किया जाए, संबंधित अधिकारी के विरुद्ध निलंबन, विभागीय जांच और एफ़आईआर की कार्रवाई की जाए।

कोर्ट के आदेश का पालन

जब इस संबंध में जानकारी लेने शिकायत की कॉपी भेजकर तहसीलदार नांदघाट सुमीत देवांगन से पक्ष बताने का संदेश दिया गया तो उन्होंने बिलासपुर कोर्ट के 1973 के फैसले की कॉपी भेजकर यह आशय व्यक्त किया कि वे कोर्ट के पूर्व आदेश पर अमल कर जमीन को निजी नाम पर दर्ज करने का आदेश दिए हैं।

अतिथियों एवं शिक्षकगण को स्मृति चिह्न (मोमेंटो) भेंट कर सम्मानित किया गया

राष्ट्रीय एकता दिवस , युवाओं ने लिया एकता का संकल्प



भटगांव। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर 31 अक्टूबर को ऑर्बिट कंप्यूटर संस्थान, भटगांव में कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजक - मेरा युवा भारत, सारंगढ़-बिलाईगढ़, छत्तीसगढ़। नेशनल यूथ वॉलंटियर - पुष्पेंद्र कुमार चंद्रा। संस्थान के डायरेक्टर उमेश केवट की अनुमति एवं सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजसेवी सूर्यकांत चंद्रा तथा विशिष्ट अतिथि शासकीय कन्या शाला, भटगांव के शिक्षक राकेश जांगड़े उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि सूर्यकांत चंद्रा ने कहा कि लौह पुरुष या सरदार जैसी उपाधि यूं ही नहीं मिलती, इसके पीछे कठिन परिश्रम, ईमानदारी, लगन और दृढ़ संकल्प होता है। वहीं विशिष्ट अतिथि राकेश जांगड़े ने सरदार पटेल के जीवन, स्वतंत्रता संग्राम में योगदान तथा देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री के रूप में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों एवं उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। साथ ही अतिथियों एवं शिक्षकगण को स्मृति चिह्न (मोमेंटो) भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एक विशेष गतिविधि भी आयोजित की गई, जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि सूर्यकांत चंद्रा ने भारत के विभिन्न राज्यों की भाषाओं के माध्यम से 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को समझाने के लिए प्रतिभागियों को अलग-अलग राज्यों की भाषा में इस वाक्य को बोलने के लिए प्रेरित किया। छात्र-छात्राओं ने पंजाबी सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं में इसे प्रस्तुत किया, जिससे कार्यक्रम में उत्साह और आनंद का माहौल बना तथा युवाओं को देश की भाषाई विविधता में एकता का संदेश मिला। कार्यक्रम के संचालक एवं नेशनल वॉलंटियर पुष्पेंद्र कुमार चंद्रा ने अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रसिद्ध कविता की पंक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा— भारत कोई भूमि का टुकड़ा नहीं, जीता-जागता राष्ट्रपुरुष है।

भारत कोई भूमि का टुकड़ा नहीं, जीता-जागता राष्ट्रपुरुष है

उन्होंने कहा कि भारत केवल भौगोलिक सीमाओं से बना देश नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, सभ्यता, एकता और करोड़ों देशवासियों की भावनाओं का प्रतीक है। सरदार पटेल ने देशी रियासतों का एकीकरण कर इस एकता को मजबूत आधार दिया। आज युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे आपसी भाईचारे और सद्भाव को बनाए रखते हुए राष्ट्र की एकता एवं अखंडता की रक्षा करें। अंत में उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ लेकर देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने तथा आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त समाचार

मोबाइल शोरूम से 1.89 करोड़ की चोरी, 173 आईफोन ले उड़े चोर,डीवीआर भी साथ ले गए

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए मरीन ड्राइव के सामने स्थित आईनेक्स्ट मोबाइल स्टोर से करीब 1 करोड़ 89 लाख रुपये के मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक सामान पार कर दिए। चोरी किए गए सामान में 173 आईफ़ोन शामिल हैं। इसके अलावा चोर स्मार्ट वॉच, हेडफ़ोन और दुकान का डीवीआर भी अपने साथ ले गए। घटना तेलीबांधा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, दुकान संचालक ऋषभ डागा 31 अक्टूबर की रात करीब 10:30 बजे स्टोर बंद कर घर चले गए थे। अगले दिन सुबह करीब 8:30 बजे मैनेजर स्वप्नशील सोनी ने उन्हें फ़ोन कर दुकान में चोरी होने की जानकारी दी। मैनेजर ने बताया कि दुकान का शटर बीच से मुड़ा हुआ था। बाहर दोनों ताले लगे हुए थे, लेकिन अंदर अलमारियां और दराज खुली हुई थीं। सूचना मिलने पर संचालक दुकान पहुंचे और जांच की तो मोबाइल सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान गायब मिले। शुरुआती जांच में सामने आया कि अज्ञात चोर शटर को बीच से मोड़कर दुकान के अंदर दाखिल हुए थे। दुकान संचालक की शिकायत के मुताबिक, चोर कुल 173 आईफ़ोन लेकर फ़रार हुए हैं। इनमें सबसे ज्यादा आईफ़ोन 17 के 132 नग शामिल हैं।

शादी का झांसा देकर 8 साल तक महिला का शोषण, आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में शादी का झांसा देकर एक महिला का आठ साल तक दैहिक शोषण करने के आरोप में पुलिस ने 45 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले करीब डेढ़ महीने से फ़रार चल रहा था। पुलिस ने उसे जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता की शिकायत पर थाना अजाक (कोरिया) में आरोपी के खिलाफअपराध क्रमांक 12/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (ब्नहस्) की धारा 69 और एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2)(1) के तहत मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर करीब आठ वर्षों तक महिला का शोषण किया। मामले में 14 सितंबर 2026 को आखिरी घटना सामने आई थी। इसके बाद से आरोपी फ़रार था। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोरिया पुलिस अधीक्षक हरीश राठौर के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई।

जतमाई मंदिर मार्ग पर हादसों का सिलसिला, महीनेभर में पांच लोगों की मौत; 50 से अधिक घायल

रायपुर। छुरा से जतमाई मंदिर जाने वाले मार्ग पर मंदिर से पहले स्थित अंधा मोड़ अब दुर्घटनाओं का खतरनाक केंद्र बनता जा रहा है। यहां लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले एक महीने के भीतर इस मोड़ पर पांच लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 50 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इसके बावजूद लोक निर्माण विभाग की ओर से अब तक दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि टू-लेन सड़क बनने के बाद इस मार्ग पर वाहनों की रफ्तार बढ़ गई है। तेज गति से आने वाले वाहन चालक अचानक सामने आने वाले अंधे मोड़ का अंदाजा नहीं लगा पाते। नतीजतन वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर जाते हैं और किनारे लगे पेड़ों, बड़े-बड़े पत्थरों तथा आसपास के भवनों से टकरा जाते हैं। इस कारण आए दिन लोग गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं और कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मोड़ पर पर्याप्त चेतावनी संकेतक, गति नियंत्रण व्यवस्था और अन्य सुरक्षा उपायों का अभाव है। यदि समय रहते यहां गति अवरोधक, दुर्घटना संभावित क्षेत्र का चेतावनी बोर्ड, रिफ्लेक्टर और आवश्यक सड़क सुरक्षा उपाय नहीं किए गए तो भविष्य में भी गंभीर हादसों की आशंका बनी रहेगी। लोगों ने शासन-प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से तत्काल हस्तक्षेप कर इस अंधे मोड़ का निरीक्षण कराने तथा तकनीकी मानकों के अनुरूप गति नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। सवाल यह है कि पांच लोगों की मौत और 50 से अधिक लोगों के घायल होने के बाद भी जिम्मेदार विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार क्यों कर रहा है?

रायपुर में 13 वर्षीय छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म, दो नाबालिग आरोपी हिरासत में

रायपुर। राजधानी रायपुर के विधानसभा थाना क्षेत्र में 13 वर्षीय नाबालिग छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म का गंभीर मामला सामने आया है। घटना के बाद आरोपियों की धमकी से डरी बालिका ने करीब एक महीने तक किसी को इसकी जानकारी नहीं दी। बाद में तबीयत बिगड़ने पर परिजनों को घटना का पता चला, जिसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, घटना 25 सितंबर की बताई जा रही है।

किराए में 75 प्रतिशत तक की कटौती

मुख्यमंत्री साय की पहल पर बीएसपी के हजारों आवासधारियों को बड़ी राहत

- रिटेंशन और थर्ड पार्टी श्रेणी के आवासों के लिए अब 6 रुपए प्रति वर्गफीट प्रतिमाह की समान किराया दर
- मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक के बाद बीएसपी प्रबंधन ने जारी किया संशोधित आदेश

रायपुर/ संवाददाता



भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) की टाउनशिप में रहने वाले हजारों परिवारों की लंबे समय से चली आ रही आवास किराए की समस्या के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक के बाद बीएसपी प्रबंधन ने रिटेंशन स्कीम तथा थर्ड पार्टी श्रेणी के आवासों का किराया घटाकर 6 रुपए प्रति वर्गफीट प्रतिमाह कर दिया है। इस फैसले से करीब चार हजार आवासधारियों को राहत मिलने का अनुमान है। विशेष रूप से सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए यह निर्णय आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण साबित होगा, क्योंकि रिटेंशन श्रेणी में किराए की दर 75 प्रतिशत कम हुई है। इस बीच मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में भिलाई स्टील प्लांट के सेवानिवृत्त कार्मिक कल्याण संघ और थर्ड पार्टी कल्याण संघ के पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, कैबिनेट मंत्री श्री गजेंद्र यादव, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय, विधायक श्री ललित चंद्राकर एवं श्री रिकेश सेन सहित दुर्ग-भिलाई के अनेक जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। बीएसपी टाउनशिप के आवासधारियों को बढ़े हुए किराए के कारण हो रही परेशानियों का विषय मुख्यमंत्री श्री साय की अध्यक्षता में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में प्रमुखता से रखा गया था। बैठक के दौरान रिटेंशन और थर्ड पार्टी श्रेणी के आवासों के लिए निर्धारित अलग-अलग किराया दरों तथा उनमें हुई वृद्धि से उत्पन्न परिस्थितियों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों और अन्य प्रभावित परिवारों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए समस्या का व्यावहारिक एवं संवेदनशील समाधान निकालने पर जोर दिया था। मुख्यमंत्री की पहल पर जनप्रतिनिधियों और बीएसपी के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच हुई चर्चा में किराया दरों के संशोधन पर सहमति बनी। इसके बाद बीएसपी के नगर सेवाएं विभाग ने 2 नवंबर 2026 को आदेश जारी कर नई किराया दर निर्धारित की। संशोधित आदेश के अनुसार रिटेंशन और थर्ड पार्टी, दोनों श्रेणियों के संबंधित आवासों के लिए किराया 6 रुपए प्रति वर्गफीट प्रतिमाह होगा। रिटेंशन स्कीम के अंतर्गत आने वाले आवासों का मासिक किराया पहले 24 रुपए प्रति वर्गफीट निर्धारित था। अब इसे घटाकर 6 रुपए प्रति वर्गफीट किए जाने से आवासधारियों को सीधे 75 प्रतिशत की राहत मिलेगी। यदि किसी आवास का क्षेत्रफल 500 वर्गफीट है, तो पहले उसके लिए प्रतिमाह 12 हजार रुपए किराया देना पड़ता था।

जियो कंपनी का सुपरवाइजर बनकर ट्रैक्टर-ट्रॉली किराये पर ली,दूसरे को बेचकर की 9 लाख की धोखाधड़ी

रायपुर। संवाददाता

जियो कंपनी का सुपरवाइजर बनकर ट्रैक्टर-ट्रॉली किराये पर लेने और बाद में उन्हें दूसरे व्यक्ति को बेचकर करीब 9 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में बलौदा पुलिस ने फरार चल रहे एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अब्दुल गफूर खान (46 वर्ष), निवासी मचखंडा, थाना सीपत, जिला बिलासपुर के रूप में हुई है। इस मामले में पुलिस पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज चुकी है। पुलिस के अनुसार, प्रार्थी विमलेश कुमार अहिर निवासी खिसोरा ने थाना बलौदा में शिकायत दर्ज कराई थी कि 24 जुलाई 2026 को सत्री लाल पाटले और राहुल कुमार खाण्डे उसके घर पहुंचे थे। दोनों ने खुद को जियो कंपनी का सुपरवाइजर बताते हुए दो ट्रैक्टर-ट्रॉली किराये पर लेने की बात कही। इसके लिए प्रत्येक ट्रैक्टर का 30 हजार रुपये मासिक किराया देने का भरोसा दिलाया और दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियां अपने साथ ले गए। बाद में आरोपियों ने दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को बिलासपुर जिले के एक व्यक्ति के पास करीब 2 लाख रुपये में बेच दिया। बिक्री से मिली रकम में से 50 हजार रुपये खर्च कर दिए। इस तरह प्रार्थी के साथ करीब 9 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई। मामले में प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना बलौदा में अपराध क्रमांक 407/2026 के तहत धारा 318(4), 3(5) बीएनएस में अपराध दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पूर्व में सत्री लाल पाटले निवासी बम्हनीन, थाना अकलतरा और राहुल कुमार खाण्डे निवासी खम्हरिया को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा था। मामले में शामिल अब्दुल गफूर खान घटना के बाद से फरार था। बलौदा पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर जियो कंपनी का सुपरवाइजर बनकर ट्रैक्टर-ट्रॉली किराये पर लेने और बाद में उन्हें बेचने की बात स्वीकार की।

राज्योत्सव में महिला सशक्तिकरण और सुपोषित बचपन की प्रेरक तस्वीर दिखी

- महतारी वंदन योजना, महिला समूहों के उत्पाद और सखी वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं की दी जा रही जानकारी

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर नवा रायपुर स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी व्यापार परिसर में आयोजित राज्योत्सव में महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। सशक्त नारी, युवा उड़ान थीम पर आयोजित राज्योत्सव में विभाग ने महिला सशक्तिकरण, बाल पोषण, स्वस्थ मातृत्व, महिला सुरक्षा और आजीविका से जुड़े प्रयासों को एक ही मंच पर प्रस्तुत किया है। प्रदर्शनी के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और विभागीय सेवाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाई जा रही है। विभागीय स्टॉल में रेडी-टू-ईट फूड मशीन विशेष आकर्षण का केंद्र है। मशीन के माध्यम से पोषण आहार तैयार करने की प्रक्रिया और इसमें उपयोग की जा रही आधुनिक तकनीक के बारे में आगंतुकों को जानकारी दी जा रही है। मशीन के प्रदर्शन से लोग पोषण आहार निर्माण के विभिन्न चरणों को समझ पा रहे हैं। बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के पोषण स्तर में सुधार के लिए पौष्टिक आहार की नियमित उपलब्धता महत्वपूर्ण है। प्रदर्शनी में इस बात को रेखांकित किया गया है कि आधुनिक तकनीक का उपयोग पोषण व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने में सहायक हो सकता है। बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, समुचित विकास और कुपोषण की रोकथाम के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों को प्रदर्शनी में प्रमुखता से दर्शाया गया है।

राज्योत्सव में महिला सशक्तिकरण और सुपोषित बचपन की प्रेरक तस्वीर



सुधांशु त्रिवेदी का कांग्रेस पर बड़ा हमला

छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद खत्म,अब दिल्ली में बैठे हैं 'वैचारिक नक्सली'!

रायपुर। संवाददाता



छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर मे आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान उत्तर प्रदेश से भाजपा के राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन पर तीखा हमला बोला। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव और सांसद संतोष पांडेय सहित अन्य नेताओं की मौजूदगी में उन्होंने 'लोकतंत्र बचाव, अराजकता हटाओ' के नारे के साथ विपक्ष की राजनीति पर सवाल उठाए। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और देश की बढ़ती ताकत कई शक्तियों को रास नहीं आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और राहुल गांधी देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ कार्रवाई का जिक्र करते हुए उन्होंने तंज कसा कि प्रदेश में नक्सलवाद समाप्त होने की दिशा में प्रगति हुई है, लेकिन वैचारिक नक्सलवाद दिल्ली में मौजूद है। त्रिवेदी ने मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया पर उठाए जा रहे सवालों का जवाब देते हुए कांग्रेस पर राजनीतिक अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने राफेल, सर्जिकल स्ट्राइक, ऑपरेशन सिंदूर, कोरोना वैक्सीन, ॥ह्रु स्ह्रुष्ट, स्ह्रुह्रु और मीडिया जैसे मुद्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस ने इन विषयों पर भी भ्रम फैलाने की कोशिश की। उन्होंने 1 नवंबर को प्रस्तावित विपक्षी प्रदर्शन पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि विपक्ष भारतीय संस्कृति और देश की परंपराओं के प्रति नकारात्मक रवैया रखता है।

राज्योत्सव में गृह निर्माण मंडल का स्टॉल बना आकर्षण, आवासीय योजनाओं की जानकारी लेने उमड़े लोग

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल का विभागीय स्टॉल लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। राज्योत्सव के पहले दिन बड़ी संख्या में नागरिकों ने स्टॉल पहुंचकर मंडल की आवासीय एवं व्यावसायिक योजनाओं, उपलब्ध मकानों और विभिन्न परियोजनाओं के बारे में जानकारी ली। खासकर स्वयं का घर खरीदने के इच्छुक लोगों ने आवासों की कीमत, स्थान, उपलब्धता और बुकिंग प्रक्रिया को लेकर रुचि दिखाई। राज्योत्सव परिसर के डोम ॥1 में स्टॉल क्रमांक 11 पर मंडल की ओर से विभिन्न जिलों में संचालित आवासीय एवं व्यावसायिक परियोजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। यहां नागरिक अपनी जरूरत और बजट के अनुसार उपलब्ध आवासीय विकल्पों की जानकारी ले रहे हैं। स्टॉल पर मौजूद अधिकारी और कर्मचारी लोगों की जिज्ञासाओं का समाधान करने के साथ आवास चयन और संबंधित प्रक्रियाओं के बारे में मार्गदर्शन भी दे रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में हड़ताली पटवारियों पर सरकार की बड़ी कार्रवाई.....

रायपुर। संवाददाता

अनिश्चितकालीन हड़ताल कर रहे पटवारियों पर अब सख्ती शुरू हो गई है। प्रदेश सरकार ने हड़ताल पर गए पटवारियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। अब तक प्रदेश के 50 से अधिक पटवारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड किया जा चुका है। वहीं प्रदेशभर के करीब 5 हजार पटवारियों को शोकॉज नोटिस जारी किए गए हैं। प्रशासन ने हड़ताली कर्मचारियों को तत्काल काम पर लौटने का फरमान भी सुनाया है। इस कार्रवाई के बाद पटवारी संघ और प्रशासन के बीच टकराव बढ़ने की संभावना है। प्रदेश में पिछले 20 दिनों से अधिक समय से पटवारी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं, जिसके चलते राजस्व विभाग से जुड़े कई काम प्रभावित हो रहे हैं। पटवारियों की हड़ताल को लेकर अब जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाना शुरू कर दिया है। प्रदेश के अलग-अलग जिलों में 50 से अधिक पटवारियों को सस्पेंड करने की कार्रवाई की गई है। इसके अलावा प्रदेशभर के लगभग 5 हजार पटवारियों को शोकॉज नोटिस जारी किए गए हैं। प्रशासन की ओर से जारी नोटिस में कर्मचारियों से हड़ताल पर रहने को लेकर जवाब मांगा गया है। साथ ही उन्हें तत्काल अपने काम पर लौटने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन की इस कार्रवाई को हड़ताल खत्म कराने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। आने वाले दिनों में नोटिस का जवाब और कर्मचारियों की कार्यस्थिति के आधार पर आगे की कार्रवाई भी हो सकती है।

ग्रामीण विकास के नवाचारों ने बटोरी सराहना

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रदर्शनी को मिला द्वितीय पुरस्कार

- छत्तीसकला' में दिखा बिहान की दीदियों का हुनर, स्व-सहायता समूहों के उत्पादों का प्रदर्शन और विक्रय बना आकर्षण
- धमतरी की पीएम जनमन आवास कॉलोनी का मॉडल बना आकर्षण का केंद्र

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रदर्शनी ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और नवाचारों का आकर्षक संगम बनकर उभरी। विभाग की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गांवों में आ रहे बदलाव और ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने वाली इस प्रदर्शनी को राज्योत्सव में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रदर्शनी में जहां बिहान की दीदियों के हुनर से तैयार 'छत्तीसकला' ब्रांड के उत्पादों ने आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया, वहीं धमतरी जिले की पीएम जनमन आवास कॉलोनी के जीवंत मॉडल और अपशिष्ट प्लास्टिक से सड़क निर्माण जैसे नवाचारों ने ग्रामीण विकास की नई संभावनाओं से परिचित कराया। प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' की अभिनव पहल 'छत्तीसकला' विशेष आकर्षण का केंद्र रही। स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा निर्मित स्थानीय एवं पारंपरिक उत्पादों को आधुनिक ब्रांडिंग और आकर्षक पैकेजिंग के साथ प्रस्तुत किया गया। जेराफूल चावल, मिलेट आधारित खाद्य पदार्थ, तिखुर पाउडर, सत्तू लड्डू सहित विभिन्न खाद्य उत्पादों, हस्तशिल्प और सजावटी सामग्रियों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया गया। इसकी विशेषता यह रही कि बिहान की दीदियों ने स्वयं स्टॉल का संचालन करते हुए आगंतुकों को अपने उत्पादों और उद्यमिता से जुड़ी जानकारी दी। छत्तीसकला के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं के कौशल, परिश्रम और उद्यमशीलता को बाजार से जोड़ने की पहल ने महिला सशक्तिकरण की प्रभावशाली तस्वीर प्रस्तुत की। प्रदर्शनी में धमतरी जिले के मसान डबरा में विकसित पीएम जनमन आवास कॉलोनी का मॉडल भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। कॉलोनी के सुव्यवस्थित आवासों, स्वच्छ एवं हरित परिसर, बेहतर बुनियादी सुविधाओं तथा सामुदायिक विकास की अवधारणा को आकर्षक मॉडल और वास्तविक तस्वीरों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। इस मॉडल ने दिखाया कि प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) के माध्यम से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों को पक्के आवास के साथ बेहतर जीवन की बुनियादी सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के द्वारा ग्रामीण सड़क निर्माण में अपशिष्ट प्लास्टिक के उपयोग का नवाचार प्रदर्शनी की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल रहा।



संपादकीय

जलवायु परिवर्तन और हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

धरती का लगातार बढ़ता तापमान, मौसम के चक्र में अनिश्चितता और प्राकृतिक पर्यावरण संतुलन में तेजी से आ रही गिरावट आज संपूर्ण मानव जाति और जीव-जगत के सामने अब तक का सबसे विकट और अस्तित्वगत संकट बनकर खड़ी हो गई है। वर्ष 2026 की भीषण गर्मियों में दुनिया के कोने-कोने में जिस प्रकार अत्यधिक तापमान, बेमौसम बारिश, बाढ़, भूस्खलन और भीषण सूखे का सामना करना पड़ा है, उसने यह स्पष्ट चेतावनी दे दी है कि प्रकृति के संसाधनों का अंधाधुंध दोहन और प्राकृतिक नियमों की अनदेखी अब और अधिक सहन करने योग्य नहीं रह गई है। मानव जाति ने विकास के नाम पर प्रकृति के साथ जो खिलवाड़ किया है, अब उसका दुष्परिणाम भीषण प्राकृतिक आपदाओं के रूप में हमारे सामने आ रहा है। भारत जैसे विशाल आबादी और विविध भू-भाग वाले देश के लिए यह पर्यावरणीय संकट और भी अधिक संवेदनशील और गंभीर चिंता का विषय है। हमारी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का एक बहुत बड़ा हिस्सा आज भी कृषि, पशुपालन और प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर है। मौसम की थोड़ी सी भी अनिश्चितता सीधे तौर पर देश के करोड़ों किसानों, मजदूरों और ग्रामीण परिवारों की आजीविका को सीधे तौर पर प्रभावित करती है। जल संरक्षण, वनों का वैज्ञानिक प्रबंधन, भूजल स्तर को उठाना और प्लास्टिक व अन्य अजैव-निम्नीकरणीय कचरे के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध जैसी नीतियां अब केवल सरकारी सम्मेलनों या कागजी दस्तावेजों तक सीमित नहीं रह सकतीं। इन्हें तुरंत प्रभाव से युद्ध स्तर पर धरातल पर उतारना होगा और इसके लिए कठोर विधायी कदम उठाने होंगे। सौभाग्य से, पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में अत्यंत उल्लेखनीय और सराहनीय कार्य हुआ है। अंतरराष्ट्रीय जलवायु मंचों पर भारत द्वारा व्यक्त की गई प्रतिबद्धताओं और निर्धारित लक्ष्यों ने यह दुनिया के सामने साबित कर दिया है कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारा राष्ट्रीय संकल्प कितना दृढ़ और स्पष्ट है। आम नागरिकों के स्तर पर भी अब यह समझ धीरे-धीरे विकसित होने लगी है कि पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाना केवल एक पसंद नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व के लिए समय की सबसे बड़ी मांग है। सड़कों पर बिजली से चलने वाले वाहनों का बढ़ता उपयोग, आवासीय भवनों और कार्यालयों की छतों पर सौर पैनलों की स्थापना, पारंपरिक जल स्रोतों का पुनरुद्धार और वर्षा जल संचय जैसी पद्धतियां अब जन-आंदोलन का रूप लेने लगी हैं। परंतु, इस दिशा में अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है, क्योंकि समस्या का आकार बहुत बड़ा है। औद्योगिकीकरण और शहरीकरण की अंधी दौड़ में पर्यावरण के स्थापित मानकों की अनदेखी करने वाले कारखानों और निर्माण कंपनियों के खिलाफ और अधिक सख्त कानून बनाए जाने चाहिए और बिना किसी दबाव के उनका कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। देश की पवित्र नदियों को औद्योगिक रसायनों और सीवर के कचरे से मुक्त करना, बड़े शहरों में वायु की गुणवत्ता में सुधार लाना और घटते वन क्षेत्र को बढ़ाना ऐसी प्राथमिकताएं हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और ग्रामीण भारत की जमीनी वास्तविकता

मीनाक्षी सुंदरम

किसी भी राष्ट्र के समग्र विकास, सामाजिक कल्याण और प्रगति का वास्तविक पैमाना केवल उसकी आर्थिक विकास दर, औद्योगिक उत्पादन या बड़े शहरों में खड़ी ऊंची इमारतें नहीं होतीं, बल्कि यह इस बात से तय होता है कि उस देश के सबसे अंतिम छोर पर रहने वाले नागरिक तक बुनियादी सुविधाएं कितनी सहजता से पहुंच रही हैं। इनमें स्वास्थ्य सेवाओं का स्थान सबसे महत्वपूर्ण है। एक स्वस्थ नागरिक ही परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान दे सकता है। भारत ने पिछले कुछ दशकों में चिकित्सा विज्ञान, स्वास्थ्य तकनीक और अस्पतालों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। हमारे महानगरों में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस बड़े निजी अस्पताल स्थापित हुए हैं, जहां गंभीर से गंभीर बीमारियों का उपचार संभव है। इसके बावजूद जब हम ग्रामीण भारत की वास्तविक स्थिति देखते हैं, तो स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और उनकी उपलब्धता के बीच एक गहरी खाई दिखाई देती है। देश के अनेक गांवों और आदिवासी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए आज भी सामान्य इलाज प्राप्त करना एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की सबसे बड़ी समस्या बुनियादी ढांचे और सुविधाओं की कमी है। देश के हजारों गांवों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तो स्थापित किए गए हैं, लेकिन उनमें उपलब्ध सुविधाएं अक्सर आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं होतीं। कई स्थानों पर अस्पतालों के भवन तो मौजूद हैं, लेकिन वहां पर्याप्त डॉक्टर, नर्स, जांच कर्मचारी और अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपलब्ध नहीं हैं। कहीं आवश्यक दवाइयों का अभाव है तो कहीं जांच के उपकरण खराब पड़े हैं। कुछ स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसव और आपातकालीन चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएं भी पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं हैं। ऐसी स्थिति में ग्रामीण परिवारों को छोटी-मोटी बीमारियों के उपचार के लिए भी निजी अस्पतालों या जिला मुख्यालयों का रुख करना पड़ता है। इससे न केवल उनका समय और पैसा खर्च होता है, बल्कि कई बार गंभीर मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता और उनकी जान तक चली जाती है।

ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशिक्षित डॉक्टरों और विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी इस समस्या को और गंभीर बनाती है। चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के बाद अधिकांश डॉक्टर महानगरों और बड़े शहरों में काम करना पसंद करते हैं। इसके पीछे बेहतर वेतन, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता, निजी प्रैक्टिस की संभावनाएं, बच्चों की शिक्षा और बेहतर जीवनशैली जैसे कई कारण हैं। परिणामस्वरूप ग्रामीण अस्पतालों में स्वीकृत पद लंबे समय तक खाली पड़े रहते हैं। इस स्थिति में सुधार के लिए केवल डॉक्टरों की नियुक्ति करना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि उनके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने का अनुकूल वातावरण भी तैयार करना होगा। डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को विशेष वित्तीय प्रोत्साहन, सुरक्षित आवास, परिवहन, आधुनिक चिकित्सा उपकरण और उनके परिवारों के लिए शिक्षा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। चिकित्सा शिक्षा के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में अनिवार्य प्रशिक्षण और सेवा के अवसर बढ़ाने पर भी विचार किया जा सकता है। इससे ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था में प्रशिक्षित मानव संसाधन की उपलब्धता बेहतर हो सकेगी।

स्वास्थ्य सेवाओं की ग्रामीण-शहरी विषमता को कम करने में डिजिटल तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। टेलीमेडिसिन और ऑनलाइन परामर्श जैसी सुविधाओं के माध्यम से गांव में बैठे मरीजों को बड़े शहरों के विशेषज्ञ डॉक्टरों से सलाह मिल सकती है। इसके लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को उच्च गति के इंटरनेट, आवश्यक डिजिटल उपकरणों और प्रशिक्षित कर्मचारियों से जोड़ना होगा। यदि किसी गांव के स्वास्थ्य केंद्र में सामान्य जांच और प्रारंभिक उपचार की सुविधा उपलब्ध हो तथा जरूरत पड़ने पर मरीज की रिपोर्ट डिजिटल माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सक तक पहुंचाई जा सके, तो उसे बार-बार शहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड के माध्यम से मरीज की पुरानी बीमारियों, उपचार और दवाइयों का विवरण भी सुरक्षित रखा जा सकता है। इससे उपचार की निरंतरता बनी रहेगी और डॉक्टरों को सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी। हालांकि, तकनीक को पारंपरिक स्वास्थ्य सेवाओं का विकल्प नहीं, बल्कि उनका सहयोगी माध्यम बनाना होगा। गंभीर बीमारियों और आपातकालीन स्थितियों में प्रत्यक्ष चिकित्सा सुविधा की आवश्यकता हमेशा बनी रहेगी। ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी बनाने के लिए रोकथाम आधारित चिकित्सा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देना भी जरूरी है। स्वास्थ्य का संबंध केवल अस्पतालों और डॉक्टरों से नहीं, बल्कि स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई, पोषण, पर्यावरण और नागरिकों की जीवनशैली से भी है। अनेक बीमारियां ऐसी हैं, जिन्हें समय रहते जागरूकता और सावधानियों के माध्यम से रोका जा सकता है। दूषित पानी, खुले में कचरा फेंकने, जलभराव और खराब स्वच्छता व्यवस्था के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में कई प्रकार के संक्रमण फैलते हैं। इसलिए गांवों में स्वच्छ पेयजल की नियमित जांच, नालियों की सफाई, कचरा प्रबंधन और शौचालयों के प्रभावी उपयोग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसके साथ ही लोगों को व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित भोजन और मौसमी बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक करना आवश्यक है।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था का एक अत्यंत संवेदनशील पक्ष है। गर्भवती महिलाओं को समय पर चिकित्सकीय जांच, पौष्टिक आहार, आवश्यक दवाइयां और सुरक्षित प्रसव की सुविधा मिलना जरूरी है। आज भी अनेक ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं को अस्पताल तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। परिवहन की कमी और आर्थिक कठिनाइयों के कारण कई बार प्रसव के दौरान गंभीर परिस्थितियां पैदा हो जाती हैं। इस समस्या से निपटने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में प्रसव सुविधाओं को मजबूत करना, एंबुलेंस सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना और गर्भावस्था के दौरान नियमित स्वास्थ्य जांच को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। इसी तरह बच्चों का समय पर टीकाकरण, जन्म के बाद उचित देखभाल और कुपोषण की पहचान भी स्वास्थ्य नीतियों की प्राथमिकताओं में शामिल होना चाहिए। किसी भी देश का भविष्य उसके बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण पर निर्भर करता है।

कुपोषण ग्रामीण भारत की एक ऐसी समस्या है, जिसका सीधा असर बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर पड़ता है। आर्थिक कमजोरी, संतुलित भोजन की कमी और पोषण संबंधी जागरूकता का अभाव इसके प्रमुख कारण हैं। आंगनवाड़ी केंद्रों और पोषण कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। बच्चों, किशोरियों और गर्भवती महिलाओं को उनकी जरूरत के अनुसार पोषण उपलब्ध कराया जाना चाहिए। केवल खाद्य सामग्री वितरित कर देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि लाभार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण पोषण पहुंचे और उनकी स्वास्थ्य स्थिति में वास्तविक सुधार हो। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग और स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। इस पूरी व्यवस्था में आशा कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे ग्रामीण परिवारों और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के बीच एक मजबूत कड़ी का काम करती हैं। टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं की देखभाल, बच्चों के पोषण, परिवार नियोजन और विभिन्न स्वास्थ्य अभियानों में उनका योगदान उल्लेखनीय है। कई बार सीमित संसाधनों और कम मानदेय के बावजूद उन्हें अत्यधिक जिम्मेदारियां निभानी पड़ती हैं। इसलिए उनके प्रशिक्षण, मानदेय, कार्यस्थल की सुविधाओं और सामाजिक सुरक्षा में सुधार किया जाना चाहिए। उन्हें आधुनिक स्वास्थ्य तकनीकों से भी परिचित कराया जाना चाहिए, ताकि वे ग्रामीण समुदायों को बेहतर जानकारी और सेवाएं उपलब्ध करा सकें। स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए जमीनी स्तर पर काम करने वाले इन कार्यकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से समझना होगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में गैर-संचारी बीमारियों का बढ़ता प्रभाव भी चिंता का विषय है। पहले सामान्य धारणा थी कि मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी बीमारियां मुख्य रूप से शहरी जीवनशैली से जुड़ी हैं, लेकिन अब इनका प्रसार ग्रामीण क्षेत्रों में भी बढ़ रहा है। बदलती खानपान की आदतें, शारीरिक गतिविधियों में कमी, तंबाकू का सेवन और नियमित स्वास्थ्य जांच का अभाव इन समस्याओं को गंभीर बनाते हैं। ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में रक्तचाप, मधुमेह और अन्य सामान्य बीमारियों की नियमित जांच की व्यवस्था होनी चाहिए। लोगों को यह समझाना जरूरी है कि केवल बीमारी होने पर अस्पताल जाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी आवश्यक है। शुरुआती अवस्था में बीमारी की पहचान होने से उपचार आसान और अपेक्षाकृत कम खर्चीला हो सकता है। मानसिक स्वास्थ्य भी ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था का एक ऐसा पहलू है, जिस पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया है। आर्थिक परेशानियां, बेरोजगारी, पारिवारिक तनाव, सामाजिक दबाव और अन्य परिस्थितियां ग्रामीण आबादी के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। किसानों और कृषि श्रमिकों के बीच तनाव तथा अवसाद जैसी समस्याओं को भी गंभीरता से समझने की जरूरत है। ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी प्राथमिक परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई जानी चाहिए। लोगों में यह जागरूकता पैदा करना भी जरूरी है कि मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं किसी कमजोरी का संकेत नहीं हैं और समय पर सहायता प्राप्त करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना शारीरिक बीमारी का उपचार कराना।

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में आर्थिक बाधाएं भी एक बड़ी चुनौती हैं। गरीब और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए गंभीर बीमारी का इलाज कई बार आर्थिक संकट का कारण बन जाता है। निजी अस्पतालों में उपचार का खर्च इतना अधिक हो सकता है कि परिवारों को अपनी बचत खर्च करनी पड़ती है या कर्ज लेना पड़ता है। कई परिवार इलाज के खर्च से बचने के लिए बीमारी को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे बाद में स्थिति और गंभीर हो जाती है। सरकार द्वारा संचालित स्वास्थ्य बीमा और आर्थिक सहायता योजनाओं का लाभ पात्र परिवारों तक पहुंचाना जरूरी है। आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं के माध्यम से गरीब परिवारों को अस्पताल में उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। लेकिन योजनाओं की वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि पात्र व्यक्ति को समय पर जानकारी मिले, अस्पताल में उपचार उपलब्ध हो और भुगतान तथा दावा प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहे। साथ ही, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना भी उतना ही जरूरी है, क्योंकि केवल अस्पताल में भर्ती होने के खर्च की व्यवस्था से ग्रामीण स्वास्थ्य की सभी समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता।

यह भी समझना होगा कि स्वास्थ्य सेवा ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसे पूरी तरह बाजार की शक्तियों या निजी अस्पतालों के भरोसे छोड़ा जा सके। निजी क्षेत्र की भागीदारी चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार में सहायक हो सकती है, लेकिन सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की जिम्मेदारी सरकार की ही है। प्रत्येक नागरिक को सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपलब्ध कराना सरकार का संवैधानिक और नैतिक दायित्व है। इसके लिए स्वास्थ्य बजट में पर्याप्त वृद्धि, अस्पतालों की नियमित निगरानी, दवाइयों की उपलब्धता और स्वास्थ्यकर्मियों की जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति का नियमित मूल्यांकन किया जाना चाहिए और स्थानीय स्तर पर शिकायतों के समाधान की प्रभावी व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए।

ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पंचायतों और स्थानीय समुदायों की भागीदारी भी आवश्यक है। गांव के लोगों को यह अधिकार और अवसर मिलना चाहिए कि वे अपने क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति, दवाइयों की उपलब्धता और कर्मचारियों की उपस्थिति पर निगरानी रख सकें। स्थानीय प्रशासन, पंचायत प्रतिनिधियों और स्वास्थ्य विभाग के बीच नियमित संवाद से समस्याओं की पहचान और उनका समाधान अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। स्वास्थ्य सेवाओं की योजना बनाते समय आदिवासी क्षेत्रों, दुर्गम पहाड़ी इलाकों और दूरस्थ ग्रामीण बस्तियों की भौगोलिक तथा सामाजिक परिस्थितियों को भी ध्यान में रखना होगा। पूरे देश के लिए एक जैसी व्यवस्था लागू करने के बजाय स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप समाधान विकसित करना अधिक उपयोगी होगा।

बदलती राजनीति में सोशल मीडिया की भूमिका और जन-विश्वास का गहराता संकट

संजय प्रकाश

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में स्थापित मीडिया की भूमिका किसी भी जागरूक, स्वतंत्र और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण, संवेदनशील और उत्तरदायित्वपूर्ण होती है। एक निष्पक्ष और साहसी मीडिया का मुख्य काम केवल सरकार की नीतियों का प्रचार करना या केवल मनोरंजक सामग्रियां परोसना नहीं होता, बल्कि जनता की समस्याओं को सामने लाना, सत्ता में बैठे लोगों से तीखे सवाल पूछना, भ्रष्टाचार को उजागर करना और समाज में जन-जागरूकता फैलाना होता है। किंतु पिछले कुछ वर्षों में भारतीय मीडिया जगत के भीतर जिस प्रकार की व्यावसायिक, राजनीतिक और तकनीकी प्रवृत्तियों ने जन्म लिया है, उसने जनता के बीच इसकी साख और विश्वसनीयता पर एक बहुत बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

आज के समय में अधिकांश मीडिया संस्थानों के बीच विज्ञापनों को पाने की अंधी दौड़, सबसे पहले खबर दिखाने की आपाधापी और दर्शकों की संख्या (टीआरपी) बढ़ाने का एक बहुत ही गंदा खेल चल रहा है। इस होड़ में गंभीर, शोध पर आधारित और जनहित से जुड़ी निष्पक्ष पत्रकारिता कहीं बहुत पीछे छूट गई है। टीवी चैनलों के समाचार कक्षों में देश के ज्वलंत मुद्दों—जैसे कि बेरोजगारी, किसानों का संकट, गिरती शिक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और पर्यावरण संकट—पर अर्थपूर्ण और शालीन बहस होने के बजाय, चिल्लाने वाले शो और सनसनीखेज मुद्दों को दिन-रात दिखाया जाता है।

ऐसी खबरों को प्राथमिकता दी जाती है जो समाज में धर्म, जाति या राजनीति के नाम पर ध्रुवीकरण और नफरत पैदा करती हैं, क्योंकि ऐसी खबरें आसानी से टीआरपी और सुर्खियां बटोरती हैं। इसके साथ ही, डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया के अभूतपूर्व प्रसार ने इस संकट को और अधिक जटिल बना दिया है। आज हर व्यक्ति जिसके हाथ में स्मार्टफोन है, वह खुद को सूचना का प्रसारक समझने लगा है। बिना किसी तथ्य की जांच किए, बिना किसी उत्तरदायित्व के और बिना किसी संपादकीय नियंत्रण के भ्रामक खबरें, झूठे दावे और मनगढ़ंत कहानियां जंगल की आग की तरह फैला दी जाती हैं। इस फेक न्यूज के युग में आम नागरिक के लिए यह पहचानना अत्यंत कठिन हो गया है कि कौन सी खबर सच है और कौन सी खबर किसी विशेष एजेंडे के तहत फैलाई गई है।

मीडिया संस्थानों के मालिकाना हक का कुछ बड़े औद्योगिक घरानों और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली लोगों के हाथों में केंद्रित होना भी निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए एक बड़ा खतरा बन गया है। जब मीडिया संस्थान केवल वित्तीय लाभ कमाने या अपने मालिकों के व्यापारिक और राजनीतिक हितों की रक्षा करने का साधन बन जाते हैं, तो वे जनता की आवाज बनना बंद कर देते हैं। इस स्थिति में पत्रकारिता अपने मूल उद्देश्य से भटक जाती है और केवल एक जनसंपर्क या प्रचार तंत्र बनकर रह जाती है।

इस गहराते विश्वसनीयता के संकट से उबरने के लिए मीडिया जगत को बहुत ही कठोर और ईमानदार आत्म-समीक्षा करने की आवश्यकता है। पत्रकारों और समाचार पत्रों को अपनी स्थापित पेशेवर आचार संहिता, नैतिक मूल्यों और निष्पक्षता के सिद्धांतों की ओर पुनः लौटना होगा। समाचार और व्यक्तिगत विचारों के बीच एक बहुत ही स्पष्ट रेखा होनी चाहिए। किसी भी खबर को प्रकाशित या प्रसारित करने से पहले उसके तथ्यों की बहु-स्तरीय जांच-परख अनिवार्य रूप से होनी चाहिए।

पाठकों, दर्शकों और आम नागरिकों की भी यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी बनती है कि वे एक जागरूक और समझदार उपभोक्ता बनें। उन्हें सनसनीखेज, चिल्लाने वाली और भ्रामक खबरों को पूरी तरह से नकारना चाहिए और केवल उन समाचार पत्रों तथा डिजिटल मंचों का समर्थन करना चाहिए जो तथ्य-आधारित, गंभीर और निष्पक्ष पत्रकारिता करते हैं। जब जनता खुद अच्छी और जिम्मेदारीपूर्ण पत्रकारिता की मांग करेगी, तो मीडिया संस्थानों को भी बदलने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। जब तक देश में एक स्वतंत्र, निष्पक्ष, साहसी और नैतिक रूप से मजबूत मीडिया जीवित रहेगा, तब तक हमारा लोकतंत्र पूरी तरह से सुरक्षित और जीवंत रहेगा। मीडिया को अपनी खोई हुई साख और जनता के विश्वास को पुनः प्राप्त करने के लिए आज ही से कड़े और सुधारात्मक कदम उठाने होंगे।



नारी शक्ति के उत्थान से समाज में बदली उनकी भूमिका

जब तक महिलाएं घर, सड़क, सार्वजनिक परिवहन और कार्यस्थल पर स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं करेंगी, तब तक उनकी स्वतंत्र भागीदारी सीमित रहेगी। महिलाओं के खिलाफ हिंसा, उत्पीड़न और अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई के लिए कानूनों का सख्ती से पालन होना चाहिए। साथ ही, पुलिस व्यवस्था को अधिक संवेदनशील बनाने, शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया सरल करने और पीड़ित महिलाओं को कानूनी तथा मनोवैज्ञानिक सहायता उपलब्ध कराने की आवश्यकता है।

सीमा आर्या

किसी भी देश, समाज या संस्कृति का वास्तविक विकास और उसका नैतिक स्तर इस बात से आंका जाता है कि वहां महिलाओं की स्थिति कैसी है और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के कितने समान अवसर प्राप्त हैं। भारतीय समाज में महिलाओं की भूमिका सदियों से महत्वपूर्ण रही है, लेकिन समय के साथ उनकी सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिति में व्यापक बदलाव आया है। पिछले कुछ दशकों में भारतीय महिलाओं ने अपनी अदम्य इच्छाशक्ति, कठिन परिश्रम, बौद्धिक क्षमता और साहस के बल पर यह साबित कर दिखाया है कि वे जीवन के किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। आज भारतीय नारियां घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि देश की सीमाओं की रक्षा करने से लेकर अंतरिक्ष विज्ञान की प्रयोगशालाओं तक, खेल के मैदानों से लेकर बड़ी कंपनियों के बोर्ड रूम तक और राजनीति के सर्वोच्च पदों तक अपनी विशिष्ट पहचान बना रही हैं। यह बदलाव केवल महिलाओं की व्यक्तिगत सफलता का प्रतीक नहीं, बल्कि भारतीय समाज की बदलती सोच और प्रगतिशील दृष्टिकोण का भी परिचायक है। आज महिलाएं शिक्षा, विज्ञान, चिकित्सा, प्रशासन, उद्योग, खेल और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। भारतीय बेटियों ने अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में देश का गौरव बढ़ाया है और विज्ञान तथा तकनीक के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। सेना और अन्य सुरक्षा बलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी भी इस बात का प्रमाण है कि अब उनके लिए अवसरों का दायरा लगातार विस्तृत हो रहा है। राजनीति में भी महिलाएं महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रही हैं। स्थानीय स्वशासन संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी ने ग्रामीण और शहरी प्रशासन में उनकी नेतृत्व क्षमता को सामने लाने का अवसर दिया है। हालांकि, इन उपलब्धियों के बावजूद महिलाओं की समान भागीदारी और प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

इस उज्ज्वल तस्वीर के साथ उस कठोर सामाजिक वास्तविकता को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, जो आज भी देश के बड़े हिस्से में मौजूद है। ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में अनेक महिलाओं को घरेलू हिंसा, बाल विवाह, दहेज उत्पीड़न, अशिक्षा और लैंगिक भेदभाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कई परिवारों में आज भी बेटियों की शिक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं दी जाती। उनसे कम उम्र में घरेलू जिम्मेदारियां संभालने की अपेक्षा की जाती है, जबकि बेटों को बेहतर शिक्षा और करियर बनाने के अधिक अवसर दिए जाते हैं। केवल महानगरों की शिक्षित और संपन्न महिलाओं की सफलता को देखकर यह मान लेना उचित नहीं होगा कि पूरे देश में महिलाओं की स्थिति समान रूप से बदल गई है। वास्तविक सशक्तिकरण तभी संभव है, जब समाज के सबसे कमजोर और वंचित वर्ग की महिला को भी सम्मान, सुरक्षा और स्वतंत्रता के साथ जीवन जीने का अधिकार मिले। महिलाओं के वास्तविक सशक्तिकरण का सबसे महत्वपूर्ण आधार शिक्षा है। शिक्षित महिला न केवल अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होती है, बल्कि परिवार और समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षा उसे सही और गलत के बीच अंतर समझने, अपने निर्णय स्वयं लेने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की क्षमता प्रदान करती है। इसलिए बेटियों की शिक्षा को परिवारों की प्राथमिकता बनाना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों के लिए सुरक्षित विद्यालय, परिवहन, छात्रवृत्ति और उच्च शिक्षा के अवसर बढ़ाने की आवश्यकता है। विशेष रूप से तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा से उन्हें रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि महिलाओं को आत्मविश्वासी, जागरूक और निर्णय लेने में सक्षम बनाना होना चाहिए।

आर्थिक स्वतंत्रता भी महिला सशक्तिकरण की एक अनिवार्य शर्त है। जब तक महिला अपनी आवश्यकताओं और जीवन से जुड़े निर्णयों के लिए पूरी तरह दूसरों पर निर्भर रहेगी, तब तक उसकी वास्तविक स्वतंत्रता अधूरी रहेगी। ग्रामीण महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों, कुटीर उद्योगों, आधुनिक कृषि, पशुपालन और लघु व्यवसायों से जोड़कर उनकी आय के साधन विकसित किए जा सकते हैं। उन्हें आसान ऋण, बाजार तक पहुंच और व्यावसायिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाना चाहिए। शहरी क्षेत्रों में भी महिलाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के अवसर बढ़ाने की आवश्यकता है। समान कार्य के लिए समान वेतन, कार्यस्थल पर भेदभाव से सुरक्षा और मातृत्व संबंधी सुविधाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना जरूरी है। महिलाओं को केवल रोजगार उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें नेतृत्व और निर्णय लेने वाले पदों तक पहुंचने के समान अवसर भी मिलने चाहिए। महिलाओं की सुरक्षा का प्रश्न भी सशक्तिकरण की बहस का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब तक महिलाएं घर, सड़क, सार्वजनिक परिवहन और कार्यस्थल पर स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं करेंगी, तब तक उनकी स्वतंत्र भागीदारी सीमित रहेगी। महिलाओं के खिलाफ हिंसा, उत्पीड़न और अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई के लिए कानूनों का सख्ती से पालन होना चाहिए। साथ ही, पुलिस व्यवस्था को अधिक संवेदनशील बनाने, शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया सरल करने और पीड़ित महिलाओं को कानूनी तथा मनोवैज्ञानिक सहायता उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि पीड़ित महिला को समय पर न्याय मिले और उसे सामाजिक दबाव या अपमान का सामना न करना पड़े। महिला सशक्तिकरण के लिए सामाजिक मानसिकता में बदलाव लाना भी उतना ही आवश्यक है जितना कानूनी और आर्थिक सुधार करना। सदियों से चली आ रही पुरुष-प्रधान सोच को बदलना होगा, जो महिलाओं को पुरुषों से कमतर मानती है और उनके जीवन के निर्णयों पर नियंत्रण रखना चाहती है। परिवारों में बेटियों को भी बेटों के समान अवसर दिए जाने चाहिए। इसके साथ ही लड़कों को बचपन से ही महिलाओं के प्रति सम्मान, समानता और संवेदनशीलता के संस्कार देना जरूरी है। घरेलू जिम्मेदारियों को केवल महिलाओं का दायित्व मानने की सोच भी बदलनी होगी। परिवार और बच्चों की देखभाल में पुरुषों की समान भागीदारी से महिलाओं को आगे बढ़ने के अधिक अवसर मिल सकते हैं। महिलाओं की बदलती भूमिका में राजनीतिक और सामाजिक नेतृत्व को भी विशेष महत्व दिया जाना चाहिए। पंचायतों और स्थानीय निकायों में महिलाओं की भागीदारी ने अनेक क्षेत्रों में नेतृत्व के नए अवसर पैदा किए हैं। अब आवश्यकता है कि महिलाएं केवल प्रतिनिधि बनकर न रहें, बल्कि नीतिगत निर्णयों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में भी सक्रिय भूमिका निभाएं। उनके अनुभव और दृष्टिकोण से शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण और सामाजिक कल्याण से जुड़ी योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

अंततः यह समझना होगा कि महिलाएं केवल समाज की आधी आबादी नहीं, बल्कि उसकी प्रगति और विकास की महत्वपूर्ण आधारशिला हैं। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक उन्नति तभी संभव है, जब उसकी महिलाएं शिक्षित, स्वस्थ, सुरक्षित और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हों। नारी शक्ति का सम्मान

संक्षिप्त समाचार



छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना ने धूमधाम से मनाया छत्तीसगढ़ राज्य का 26वां स्थापना दिवस, छत्तीसगढ़ महतारी की हुई महाआरती

सक्ति। छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य का 26वां स्थापना दिवस सक्ति जिला मुख्यालय में हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ महतारी की विधिवत महाआरती कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई। वहीं बुधवारी बाजार स्थित ग्राउंड के सामने श्रद्धालुओं एवं उपस्थित लोगों के बीच प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के पदाधिकारी एवं सेनानियों के साथ बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़िया समाज के लोग शामिल हुए। सभी ने छत्तीसगढ़ महतारी के प्रति अपनी आस्था एवं सम्मान प्रकट करते हुए राज्य स्थापना दिवस को उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के जिलाध्यक्ष दीपक यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ महतारी के प्रति प्रत्येक छत्तीसगढ़िया की अगाध आस्था और श्रद्धा है। छत्तीसगढ़ केवल एक राज्य नहीं, बल्कि हमारी पहचान, संस्कृति, परंपरा, भाषा और गौरव का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा एवं प्रदेश की अस्मिता की रक्षा करना हम सभी छत्तीसगढ़वासियों का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा, भाषा और स्वाभिमान को संरक्षित एवं संवर्धित करने के लिए सभी छत्तीसगढ़ियों को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम का समापन छत्तीसगढ़ महतारी के जयघोष एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

छ.ग. शासन की सहायक वाचन पुस्तकों के लेखन में मल्लिका रुद्रा का उल्लेखनीय योगदान



चिरमिरी। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी बुलंद उपस्थिति दर्ज करते हुए, अब कोयलांचल शहर चिरमिरी भी अपनी अमिट छाप दर्ज कर रहा है। गौरतलब है कि प्रदेश के पाठ्यक्रम निर्धारित करने वाली संस्था छत्तीसगढ़ राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (सष्टश्चऋक्ष) ने कक्षा तीसरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए सहायक वाचन नामक पुस्तक श्रृंखला की पाठ्यपुस्तकें तैयार की है। इन पुस्तकों के लेखन में साहित्यकार एवं डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, चिरमिरी की हिंदी शिक्षिका श्रीमती मल्लिका रुद्रा का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यह पुस्तकें पूरे छत्तीसगढ़ के सरकारी संस्थानों के विद्यार्थियों द्वारा पढ़ी जा रही हैं। इन पुस्तकों का उद्देश्य विद्यार्थियों में भाषागत दक्षता का विकास करना, उन्हें लोक संस्कृति से जोड़ना और नैतिक मूल्यों की शिक्षा देना है। पुस्तकें सरल भाषा में लिखी गई हैं ताकि बच्चे स्वयं पढ़ सकें, समझ सकें और अपने विचारों को अभिव्यक्त कर सकें। पाठों में सहज भाषा और समृद्ध शब्दावली का प्रयोग हुआ है। लोक जीवन, परंपरा और छत्तीसगढ़ी संस्कृति को पाठों में समाहित किया गया है। विद्यार्थियों को स्वयं पढ़ने और लिखने की आदत डालने पर बल दिया गया है। कहानियों, कविताओं और संवादों के माध्यम से नैतिक शिक्षा और संवेदनाओं का विकास होगा।

हल्दीबाड़ी के घुटरी दफाई और कालीबाड़ी में बिजली कटौती पर भड़के निखिल यादव, SECL प्रबंधन को दी आंदोलन की चेतावनी



चिरमिरी (एमसीबी)। चिरमिरी के हल्दीबाड़ी क्षेत्र स्थित घुटरी दफाई और कालीबाड़ी में बिजली कटौती को लेकर विरोध तेज हो गया है। ह्रस्ठ जिला उपाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद प्रतिनिधि निखिल यादव ने स्श्चष्टरुप्रबंधन पर बिना पूर्व सूचना बिजली आपूर्ति बंद करने का आरोप लगाते हुए मुख्य महाप्रबंधक एवं सब-एरिया मैनेजर को शिकायती पत्र सौंपा है। निखिल यादव ने कहा कि हल्दीबाड़ी दारू भट्टी के पास हुए भू-धंसान के बाद प्रबंधन द्वारा बिजली काटे जाने से पिछले 35 वर्षों से रह रहे परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजली बंद होने से बुजुर्गों, बीमार लोगों और बच्चों को कठिनाइयां हो रही हैं। उन्होंने प्रबंधन से तत्काल बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि मांग पूरी नहीं होने पर स्थानीय नागरिकों के साथ आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने बिजली कटौती से किसी नागरिक को नुकसान होने की स्थिति में संबंधित अधिकारियों के खिलाफकानूनी कार्रवाई की बात भी कही। इस मांग को वार्ड क्रमांक 12 के नागरिकों ने हस्ताक्षर एवं अंगूठा लगाकर समर्थन दिया है। शिकायत की प्रतिलिपि कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और एसडीएम चिरमिरी को भी भेजी गई है।



राज्य निर्माण के बाद छत्तीसगढ़ प्रदेश का तेजी से हो रहा विकास- सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह

सक्ती। जिला स्तरीय राज्य उत्सव के मुख्य अतिथी सांसद राज्यसभा देवेंद्र प्रताप सिंह के उपस्थिती में राज्य स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन हुआ कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर जेठा ग्राउंड धुमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह के द्वीप प्रज्वलन के पश्चात राज्य गीत, राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि राज्य निर्माण के बाद छत्तीसगढ़ प्रदेश का तेजी से विकास हो रहा है। और हम सभी बड़े हर्ष उल्लास के साथ राज्य का 26वा स्थापना दिवस समारोह मना रहे हैं राज्योत्सव समारोह में पूर्व सांसद गुहाराम अजगल्ले, जिला पंचायत अध्यक्ष द्रौपती कीर्तन चंद्रा जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमल किशोर पटेल पूर्व विधायक, डॉ. खिलावन साहू, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती विद्या सिदार, अध्यक्ष सभापति आयुष शर्मा , जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीतू राय, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा परदेशी खूंटे, जनपद पंचायत अध्यक्ष मालखरौदा कवि वर्मा, जनपद पंचायत अध्यक्ष डभरा श्रीमती अरूणा महेंद्र सिंह सिदार, अध्यक्ष नगरपालिका परिषद सक्ती श्याम सुंदर अग्रवाल, कलेक्टर श्रीमती जयश्री जैन, पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर, जिला पंचायत सीईओ वासु जैन, अपर कलेक्टर नवीन भगत, अपर कलेक्टर के एस पैंकरा सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारीगण, जिले के युवा, बच्चे, महिला।

BEO कार्यालय के आसपास की झाड़ियों की हुई सफाई

1300 शिक्षकों की सर्विस बुक और अधिकारी के स्थानांतरण पर अब भी सवाल

● खिड़की के पास रखे महत्वपूर्ण दस्तावेजों की सुरक्षा, कथित रूप से गायब सर्विस बुक की जांच और 10 साल से पदस्थ BEO पर कार्रवाई को लेकर DEO की चुप्पी बरकरार



बिलाईगढ़। विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय बिलाईगढ़ की अव्यवस्थाओं और शिक्षकों के महत्वपूर्ण दस्तावेजों की सुरक्षा को लेकर समाचार प्रकाशित होने के बाद आखिरकार कार्यालय के अगल-बगल और पीछे उगी झाड़ियों की सफाई करा दी गई है।

हालांकि, इस कार्रवाई के बाद भी कार्यालय से जुड़ी अन्य गंभीर समस्याओं का समाधान होना बाकी है। ऐसे में अब जिला शिक्षा अधिकारी की अगली कार्रवाई पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं। गौरतलब है कि BEO कार्यालय में लगभग 1300 शिक्षकों की सर्विस बुक सहित महत्वपूर्ण दस्तावेजों की सुरक्षा, कार्यालय की खुली खिड़कियों, आगजनी के संभावित खतरे और लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थ अधिकारी को लेकर सवाल उठाए गए थे। खबर प्रकाशित होने के बाद झाड़ियों की सफाई होना राहत की बात है, लेकिन क्या केवल सफाई करा देना ही विभाग की जिम्मेदारी पूरी होने के लिए पर्याप्त है? प्राप्त जानकारी के अनुसार, विकासखंड बिलाईगढ़ अंतर्गत कार्यरत अनेक शिक्षकों की सर्विस बुक कार्यालय से गायब होने का आरोप लगाया गया है। शिक्षक संगठनों के कुछ पदाधिकारियों ने आशंका जताई है कि नई सर्विस बुक तैयार करने की प्रक्रिया की आड़ में अनियमितता की जा सकती है। एक अनुमान के अनुसार लगभग 25 से 30 शिक्षकों की सेवा पुस्तिकाएं कार्यालय से गायब होने की बात कही जा रही है। हालांकि, इसकी वास्तविक संख्या और परिस्थितियों की पुष्टि विभागीय जांच के बाद ही हो पाएगी। शिक्षक संगठन के पदाधिकारियों के अनुसार, शिक्षिका स्नेहलता ठाकुर की सेवा पुस्तिका गायब होने की बात उनकी उपस्थिति में सामने आई थी। खबर प्रकाशित होने के बाद संबंधित शिक्षिका को क्षश्चह्र कार्यालय बुलाकर सेवा पुस्तिका सही-सलामत पाए जाने का प्रमाण पत्र लिखवाए जाने की प्रक्रिया शुरू होने की बात भी सूत्रों के हवाले से सामने आई है। इसके साथ ही कथित रूप से गायब सेवा पुस्तिकाओं के स्थान पर नई कोरी सेवा पुस्तिकाएं लेकर उन्हें संधारित किए जाने की चर्चा है। इन सभी तथ्यों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच आवश्यक है, ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। शिक्षक संगठनों का कहना है कि नई सेवा पुस्तिकाओं के संधारण की स्थिति में उनकी बारीकी से जांच होनी चाहिए। नौकरी की शुरुआत से लेकर वर्तमान समय तक अलग-अलग आहरण-संवितरण अधिकारियों के हस्ताक्षर और संबंधित अभिलेखों का मिलान किया जाना जरूरी है। मूल सेवा पुस्तिकाओं में समय-समय पर पदस्थ रहे अधिकारियों के हस्ताक्षर एवं अन्य प्रविष्टियों का सत्यापन कर यह पता लगाया जा सकता है कि नई तैयार की गई पुस्तिकाओं में सभी आवश्यक विवरण सही तरीके से दर्ज हैं या नहीं।

इसी तरह, शासकीय प्राथमिक शाला ओटगन, संकुल जोरा के सेवानिवृत्त प्रधानपाठक गोपाल रौशिक की सेवा पुस्तिका भी कार्यालय से गायब होने की बात सामने आई है।

सर्विस बुक की सुरक्षा पर अब भी सवाल

कार्यालय में रखे शिक्षकों के महत्वपूर्ण सेवा अभिलेखों की सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है। पूर्व में कुछ शिक्षकों की सर्विस बुक गायब होने संबंधी शिकायतें और आरोप भी सामने आए हैं, जिनकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। ऐसे में सवाल है कि क्या DEO इस मामले की निष्पक्ष जांच कराएंगे? क्या संबंधित अभिलेखों का सत्यापन कराकर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी शिक्षकों की सर्विस बुक सुरक्षित और उपलब्ध हैं? यदि दस्तावेज गायब पाए जाते हैं, तो इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई होगी या नहीं?

अब DEO की कार्रवाई का इंतजार

झाड़ियों की सफाई से खबर का असर जरूर दिखाई दिया है, लेकिन कार्यालय में दस्तावेजों की सुरक्षा, कथित रूप से गायब सर्विस बुक की जांच और लंबे समय से पदस्थ अधिकारी के संबंध में उठे सवाल अब भी जवाब मांग रहे हैं। क्या जिला शिक्षा अधिकारी संबंधित शिकायतों की जांच कराएंगे? क्या शिक्षकों के सेवा अभिलेखों का सत्यापन होगा? क्या जांच में लापरवाही सामने आने पर जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी? बिलाईगढ़ के शिक्षकों, शिक्षक संगठनों और आम लोगों की निगाहें अब जिला शिक्षा अधिकारी की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई हैं। झाड़ियों की सफाई के बाद विभागीय जिम्मेदारी का अगला चरण दस्तावेजों की सुरक्षा, शिकायतों की निष्पक्ष जांच और शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

हर व्यक्ति को राष्ट्र धर्म सेवा के साथ स्वयंसेवकों को कार्य करना चाहिए कमल किशोर पटेल



राष्ट्र धर्म देश की सेवा करना ही हर नागरिक का कर्तव्य

सक्ती। डभरा खण्ड राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा विजयादशमी महोत्सव पथ संचालन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमल किशोर पटेल , तोमन सिंह मैत्री , के द्वारा भारत माता के तैल चित्र पर माल्यार्पण शस्त्र पूजन दीप प्रज्वलित कर ध्वज गीत गाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया मुख्य अतिथि कमल किशोर पटेल जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने उपस्थित सभी संघ कार्यकर्ता पदाधिकारी को संबोधित करते हुए कहा राष्ट्र धर्म देश की सेवा करना ही हर नागरिक का कर्तव्य है हम जब भी बटे कमजोर हुए फ्रांस और अन्य देशों की घटनाओं का जिक्र करते हुए रिन्यूम चेंज अर्थ व्यवस्था परिवर्तन के मुद्दे पर कहा की भारत में ऐसा ना कभी हुआ है और ना कभी होगा उन्होंने स्वदेशी अपनाने सामाजिक समरस्ता नशा मुक्ति एवं नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार देना एवं हमेशा राष्ट्रीय चेतना, सामाजिक समरसता, अनुशासन, और वर्तमान व वैश्विक परिदृश्य में भारत की भूमिका से जुड़ा होना चाहिए। हमें भारतीय संस्कृति, परिवार भाव, विविधता में एकता और 'पंच परिवर्तन सामाजिक समरसता, कुटुंब के साथ हम सभी को हिंदू समाज को सशक्त संगठीत कर मातृभूमि के लिए निस्वार्थ सेवा और शशक्त भक्ति की भावना को जागृत कर भारत को एक सूत्र राष्ट्रहित के लिए सर्वोपरि रखने का कार्य करना चाहिए इस अवसर पर पिनलाल पटेल प्रकाश खांडे प्रदीप खांडे तोषकुमार पटेल सतीश राज नेतराम चंद्रा दीपक अग्रवाल रणवीर आर्य शाहिद बड़ी संख्या में संघ कार्यकर्ता नगर वासी उपस्थित थे।

दीपावली से पहले चिरमिरी में मिठाई दुकानों और होटलों का सघन निरीक्षण, खाद्य सुरक्षा टीम ने लिए नमूने



चिरमिरी। दीपावली पर्व को देखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने मिलावट और खराब गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों पर निगरानी तेज कर दी है। इसी क्रम में 30 एवं 31 अक्टूबर को चिरमिरी की विभिन्न मिठाई दुकानों और होटलों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने संकलित किए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी रविकांत गुप्ता एवं उनकी टीम ने बीकानेर स्वीट्स, केरला होटल, बिन्जू होटल, राहुल मिष्ठान भंडार और पटेल स्वीट्स का निरीक्षण किया। इस दौरान बेसन लड्डू, सोनपापड़ी, चमचम, खोवा, रसगुल्ला एवं मगज लड्डू के नमूने लिए गए। विभाग के अनुसार सभी नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर संतन देवी जांगड़े एवं सीएमएचओ के मार्गदर्शन में चल रही इस कार्रवाई का उद्देश्य दीपावली के दौरान आम नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि त्योहार के दौरान मिठाई दुकानों, होटलों और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण लगातार जारी रहेगा।

4800 किमी उड़कर गिधवा पहुंचे विदेशी परिंदे, भरमार बंदूक की आवाज ने बढ़ाई चिंता



बेमेतरा। जिले के मोहभट्टा और गिधवा-परसदा वेटलैंड में इस बार साइबेरिया के दो दुर्लभ प्रवासी पक्षियों के आने से बेमेतरा का नाम राष्ट्रीय पक्षी मानचित्र पर उभर गया है। लेकिन इन विदेशी मेहमानों के स्वागत के बीच एक चिंता भी सामने आई है - पक्षी विहार के आसपास के गांवों में बंदर भगाने के लिए चलाई जा रही भरमार बंदूक की तेज आवाज से ये पक्षी विचलित हो रहे हैं। गिधवा-परसदा पक्षी विहार के आसपास के गांवों से खबर आ रही है कि बंदरों को भगाने के लिए शिकारियों को रखा गया है, जो भरमार बंदूक से फायर करते हैं। आवाज सुनते ही बंदर तो भाग खड़े होते हैं, लेकिन इसका असर पक्षी विहार पर भी पड़ रहा है। तेज आवाज आते ही पक्षियों में अजीब हरकत देखी जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि इस पर समय रहते रोक नहीं लगी, तो ये पक्षी अपना ठिकाना बदल सकते हैं। नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र में कोरोना के बाद बंदरों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है, जिससे लगभग हर गांव में लोग परेशान हैं। इसी परेशानी से निपटने के लिए गांवों में बंदूक से फायर का सहारा लिया जा रहा है। कौन से पक्षी आए हैं गिधवा ?- 1. पैसिफिक गोल्डन प्लोवर (सुनहरा बटान) - 4800 किमी का सफर-यह पक्षी साइबेरिया और अलास्का के टुंड्रा प्रदेश से आता है। वहां अक्टूबर में तापमान माइनस 30 डिग्री तक चला जाता है और पूरा इलाका बर्फसे ढक जाता है। भोजन की तलाश में यह लगभग 4800 किलोमीटर बिना रुके उड़ान भरकर बेमेतरा पहुंचता है। कई बार यह अलास्का से हवाई द्वीप तक की उड़ान एक ही बार में पूरी करता है, जो दुनिया की सबसे लंबी पक्षी उड़ानों में गिनी जाती है। अनुकूल वातावरण नहीं मिलेगा तो यह फिर पलायन कर सकता है।

प्रशासनिक शिथिलता पर संभागायुक्त की बड़ी कार्रवाई, तहसीलदार निलंबित

अंबिकापुर। सरगुजा संभागायुक्त नरेंद्र कुमार दुग्गा ने प्रशासनिक शिथिलता और कर्तव्य के प्रति उदासीनता के मामले में कड़ी कार्रवाई करते हुए बिहारपुर के प्रभारी तहसीलदार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार, करमचंद जाटवर, नायब तहसीलदार एवं प्रभारी तहसीलदार, बिहारपुर जिला सूरजपुर की कार्यशैली एवं आचरण शासकीय सेवक के विपरीत पाए गए। कलेक्टर जिला सूरजपुर के पत्र क्रमांक 5890/शिकायत/2026 माध्यम से प्रतिवेदित किया गया कि 17 अक्टूबर 2026 को ग्राम कुबेरपुर में ट्रैक्टर दुर्घटना के बाद उत्पन्न कानून एवं शांति व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित करने में प्रशासनिक शिथिलता, सिविल सेवक के कर्तव्य के प्रति उदासीनता तथा लापरवाही बरती गई। जाटवर का यह कृत्य शासकीय सेवा की गरिमा के सर्वथा विपरीत एवं गंभीर कदाचार की श्रेणी में आता है।

नवीन शासकीय कन्या महाविद्यालय में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन



सक्ती। नवीन शासकीय कन्या महाविद्यालय सक्ती में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में लोकतांत्रिक मूल्यों, नागरिक कर्तव्यों और राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूकता पैदा करना था। निबंध, भाषण और क्विज़ प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा कार्यक्रम के तहत निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी (क्विज़) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को आकर्षक नकद पुरस्कार, पेन और कॉपी देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही, प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाली अन्य सभी छात्राओं को भी प्रोत्साहन स्वरूप कलम भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक राम नरेश यादव ने सबसे पहले छात्राओं को कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

वक्ताओं ने लोकतंत्र, स्वच्छता और मतदान के अधिकार पर डाले प्रकाश

कार्यक्रम संयोजक राम नरेश यादव ने सबसे पहले छात्राओं को कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान, लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया और 'विकसित भारत' के संकल्प पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, नगर पालिका पूर्व अध्यक्ष रामावतार अग्रवाल ने छात्राओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' से प्रेरणा लेते हुए वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। समारोह में विशिष्ट अतिथि विनोद अग्रवाल ने छात्राओं को उनके मताधिकार वोट देने के अधिकार और SIR से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए कहा कि आज लोकतंत्र और चुनाव प्रणाली पूरी तरह पारदर्शी है। चिकित्सा प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. श्याम चंद्रा की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। प्राचार्य ने जताया आभार कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य विजय देवांगन ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस तरह के आयोजनों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए बेहद आवश्यक बताया। इस सफल आयोजन के दौरान महाविद्यालय का समस्त स्टाफऔर बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सीमेंट से भरी ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, चक्के के चपेट मे आने से महिला का सिर कुचला

भटगांव दुर्गा मंदिर के पास बड़ी दुर्घटना, वृद्ध महिला की दर्दनाक मौत



भटगांव। नगर पंचायत भटगांव के बिर्रा मोड़ दुर्गा मंदिर के पास सुबह लगभग 9 बजे के आसपास एक बड़ी दुर्घटना हो गई है. जहाँ जानकारी के अनुसार ट्रक के चपेट मे बाइक आई जिससे वृद्ध महिला वाहन के चक्के मे आने से दर्दनाक मौत हो गई.ट्रक के चक्के ने महिला के सिर को कुचलकर गायब हो गया. वृद्ध दम्पति सराईपाली से बताया जा रहा है जो पवनी से वापस सराईपाली लौट रहे थे. जहाँ बिर्रा मोड़ दुर्गा मंदिर के पास घटना घटी. घटना के तुरंत बाद सुचना मिलते ही भटगांव पुलिस पहुंची जहां महिला को बिलाईगढ़ हॉस्पिटल ले जाया गया. पुलिस द्वारा घटना की विवेचना की जा रही है. ट्रक चालक वाहन के साथ घटना के बाद गायब है. वहीं लोगो ने बताया कि ट्रक चाम्पा की ओर जाते दिखा. जहाँ पुलिस चाम्पा रोड गई लेकिन अभी तक वाहन व चालक की जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाई है, आसपास की सीसीटीवी फूटेज खंगाल रही है. वहीं महिला के परिजन घटना स्थल पहुंच चुके है. परिजनों ने इस घटना की भारी निंदा की है और ट्रक चालक के खिलाफकड़ी कार्यवाही के साथ मुआवजे की मांग किये हैं. वहीं इस सम्बन्ध मे पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा से चर्चा करने पर कहा कि बिर्रा मोड़ और बस स्टैंड मे अपना कर्मचारी तैनात करवाता हूँ और नो पार्किंग वाहनों पर अतिशीघ्र कार्यवाही करवाता हूँ. इस घटना को नगर पंचायत अध्यक्ष विक्रम कुर्रे ने बहुत ही दु:खद बताया और कहा कि बस स्टैंड और बिर्रा मोड़ मे सुबह 7 से लेकर शाम 7 बजे तक पुलिस की ड्यूटी जरुरी है. स्कूल टाइम मे 1000-1500 विद्यार्थी यहाँ से आते जाते है. तेज वाहनो एवं नो पार्किंग वाहनों पर पुलिस की कार्यवाही शून्य है जिससे आये दिन घटना घटती है. वहीं 2-3 चौक मे सीसीटीवी अतिशीघ्र लगाया जायेगा ताकि घटना स्थल पर पूरी जानकारी तुरंत प्राप्त हो और दोषियों पर तुरंत कड़ी कार्यवाही हो सके।

कड़ी कार्यवाही के साथ मुआवजे की मांग

परिजनों ने इस घटना की भारी निंदा की है और ट्रक चालक के खिलाफकड़ी कार्यवाही के साथ मुआवजे की मांग किये है. वहीं इस सम्बन्ध मे पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा से चर्चा करने पर कहा कि बिर्रा मोड़ और बस स्टैंड मे अपना कर्मचारी तैनात करवाता हूँ और नो पार्किंग वाहनों पर अतिशीघ्र कार्यवाही करवाता हूँ. इस घटना को नगर पंचायत अध्यक्ष विक्रम कुर्रे ने बहुत ही दु:खद बताया और कहा कि बस स्टैंड और बिर्रा मोड़ मे सुबह 7 से लेकर शाम 7 बजे तक पुलिस की ड्यूटी जरुरी है. स्कूल टाइम मे 1000-1500 विद्यार्थी यहाँ से आते जाते है.

संक्षिप्त समाचार

732 श्रमिकों को मिला निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और दवाइयों का लाभ बृहस्पति बाजार के श्रमिक प्रतीक्षालय में लगा स्वास्थ्य शिविर, 106 श्रमिकों का एक्स-रे और 13 की ईसीजी जांच



बिलासपुर। जिले के श्रमिकों को सहज रूप से स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आज बृहस्पति बाजार स्थित श्रमिक प्रतीक्षालय में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देश पर आयोजित इस शिविर में 732 श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर सभी को निःशुल्क दवाइयां प्रदान की गईं। श्रमिकों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई। स्वास्थ्य विभाग, कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं (ईएसआईएस) एवं सहायक श्रमायुक्त कार्यालय, बिलासपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में श्रमिकों की स्वास्थ्य जांच के साथ आवश्यक चिकित्सकीय परीक्षण किए गए। कुल लाभान्वित श्रमिकों में से 140 का स्वास्थ्य परीक्षण मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से किया गया। इसके अलावा 106 श्रमिकों का एक्स-रे तथा 13 श्रमिकों की ईसीजी जांच की गई। शिविर में स्वास्थ्य विभाग एवं कर्मचारी राज्य बीमा सेवाओं द्वारा सभी 732 श्रमिकों को निःशुल्क औषधियों का वितरण किया गया। शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न सहायता योजना के अंतर्गत शिविर में उपस्थित श्रमिकों के लिए भोजन उपलब्ध कराया गया। इस पहल से श्रमिकों को उनके एकत्र होने के स्थान पर ही स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यक जांच, दवाइयों और भोजन की सुविधा मिली।

'सतत खाद्य प्रणालियाँ अपनाएँ' थीम पर चलाया गया जागरूकता अभियान भोजन की बर्बादी रोकने एवं स्वच्छता बनाए रखने के प्रति वेंडरों, रेलकर्मियों और यात्रियों को किया गया जागरूक



बिलासपुर। पर्यावरण संरक्षण एवं सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे द्वारा 01 से 07 नवम्बर 2026 तक आयोजित 'ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह' के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में 'मिशन लाइफ' के तहत विभिन्न जागरूकता एवं स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में आज 04 नवम्बर को 'सतत खाद्य प्रणालियाँ अपनाएँ' थीम पर बिलासपुर मंडल के प्रमुख रेलवे स्टेशनों में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके तहत खानपान स्टॉलों एवं कैटरिंग क्षेत्रों में पोस्टर लगाकर वेंडरों, रेलकर्मियों एवं यात्रियों को भोजन की बर्बादी रोकने तथा खाद्य संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के दौरान ट्रेनों एवं प्लेटफॉर्म पर खानपान सामग्री बेचने वाले विक्रेताओं से संवाद कर उन्हें खाद्य पदार्थों की बर्बादी रोकने के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही यात्रियों से व्यक्तिगत संपर्क कर आवश्यकता के अनुसार ही भोजन लेने, भोजन व्यर्थ न करने तथा उपयोग के बाद कचरे को निर्धारित डस्टबिन में डालने की अपील की गई। इसके अतिरिक्त रेलवे स्टेशनों के फूड स्टॉल एवं कैटरिंग क्षेत्रों में खाद्य बर्बादी रोकने संबंधी पोस्टर एवं डिजिटल संदेश प्रदर्शित किए गए। स्टेशन की उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से भी यात्रियों को भोजन की बर्बादी रोकने एवं स्वच्छता बनाए रखने का संदेश प्रसारित किया गया। इस अभियान का उद्देश्य दैनिक जीवन में जिम्मेदार खानपान की आदतों को प्रोत्साहित करना, खाद्य संसाधनों का संरक्षण करना तथा रेलवे परिसरों को स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने में सभी की सहभागिता सुनिश्चित करना है।

प्रभारी सचिव ने ली अफसरों की बैठक, दिए कई निर्देश

योजनाओं की उपलब्धियां केवल आंकड़ों में नहीं,परिणामों में दिखें : श्री मनोज पिंगुआ

- सुशासन का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, जनअपेक्षाओं पर खरा उतरें अधिकारी
- धान खरीदी की तैयारी की भी की समीक्षा

बिलासपुर। अपर मुख्य सचिव, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग तथा जिले के प्रभारी सचिव श्री मनोज पिंगुआ ने आज जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की गहन समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि योजनाओं की सफलता केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उनके सकारात्मक परिणाम धरातल पर दिखाई देने चाहिए। योजनाओं का वास्तविक लाभ आम नागरिकों तक पहुंचे और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आए, यही सुशासन की सार्थकता है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग बेहतर समन्वय और परिणामोन्मुखी कार्यशैली के साथ जिले को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट बनाने की दिशा में काम करें। जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना हम सभी की जिम्मेदारी है। बैठक में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने जिले में संचालित प्रमुख योजनाओं, नवाचारों एवं विकास कार्यों की प्रगति से अवगत कराया। समीक्षा बैठक की शुरुआत धान खरीदी की तैयारियों से हुई। श्री पिंगुआ ने बताया कि 15 नवंबर से राज्य सरकार द्वारा धान खरीदी प्रारंभ की जाएगी। इसके पूर्व धान खरीदी केंद्रों में सभी तैयारियां सुनिश्चित कर ली जाए। धान खरीदी के मापदंडों के बारे में मुनादी व दीवार लेखन के जरिए अच्छी तरह से प्रचार-प्रसार किया जाए। चेकलिस्ट के अनुरूप तैयारियां पूर्ण कर लिया जाए। धान खरीदी के लिए आने वाले किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो इसका ध्यान दें। किसानों के लिए छाया, पानी, बैठने की व्यवस्था समुचित रूप से हो। किसान पंजीयन, समितियों के गठन और खरीदी व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने धान खरीदी से जुड़ी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा करते हुए प्रभारी सचिव ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवासों के विरुद्ध पूर्ण हुए आवासों की जानकारी ली। प्रभारी सचिव ने पिछले दिनों आए तूफान से हुए नुकसान का सर्वे जल्द कर प्रभावित किसानों को पात्रता अनुसार जल्द राहत दिलाने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल ने बताया कि आवास सर्वेक्षण में बिलासपुर जिले ने उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2024-26 में राज्य स्तर में आवास पूर्णता की स्थिति में जिला 56284 आवासों को पूर्ण कर दूसरे स्थान पर है। राज्य स्तर में आवास प्लस 2.0 में सर्वाधिक हितग्राहियों का सर्वे कर जिला प्रथम स्थान पर है। जिले में पीएम जनमन आवास योजना के तहत 959 आवास स्वीकृत किये गये थे जिनमें से 803 आवास पूर्ण कर लिए गए है। श्री पिंगुआ ने विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जीरामजी) की भी समीक्षा की। उन्होंने इस योजना के तहत अधोसरंचना के कार्यों को



स्वीकृत कर पूर्ण करने को कहा। सीईओ जिला पंचायत ने बताया कि योजना के तहत आंगनबाड़ी निर्माण, नवीन पंचायत भवन, तालाब गहरीकरण, नया तालाब, परकोलेशन टैंक, बालिका शौचालय आदि के 3 हजार से ज्यादा कार्य अब तक स्वीकृत किये गये है। योजना के तहत 125 दिवस रोजगार की गारंटी दी जा रही है। प्रभारी सचिव श्री पिंगुआ ने कहा कि स्वीकृत कार्यों से गांवों में ऐसी उपयोगी और स्थायी परिसंपत्तियां विकसित की जाएं, जिनका लाभ ग्रामीणों को लंबे समय तक मिले। उन्होंने डबरी निर्माण सहित आजीविका संवर्धन से जुड़े कार्यों को भी प्राथमिकता देने कहा। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि बच्चों और महिलाओं का बेहतर पोषण शासन की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने जिले में कुपोषण दूर करने के लिए संचालित पोठ लईका अभियान की जानकारी दी। प्रभारी सचिव ने पोषण संबंधी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने और बच्चों के पोषण स्तर में वास्तविक सुधार लाने पर जोर दिया। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में श्री पिंगुआ ने आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति पर विशेष ध्यान दिया। अधिकारियों ने बताया कि जिले में 84 प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। उन्होंने शेष पात्र हितग्राहियों के कार्ड बनाने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि कोई भी पात्र परिवार स्वास्थ्य सुविधाओं के लाभ से वंचित न रहे। प्रभारी सचिव श्री मनोज पिंगुआ ने कहा कि बारिश समाप्त होने के बाद अब सड़क निर्माण और मरम्मत के कार्यों में तेजी लाए। प्रयास आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन की जानकारी लेते हुए कहा कि शैक्षणिक संस्थानों की उपलब्धि का आकलन केवल प्रवेश संख्या से नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की सफलता और उनके बेहतर भविष्य से होना चाहिए। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं में विद्यार्थियों की सफलता बढ़ाने तथा शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के निर्देश दिए। लगभग 120 करोड़ रुपए की लागत से निर्माणाधीन एजुकेशन हब सिटी का कार्य शीघ्र पूर्ण करने पर भी जोर दिया। कृषि विभाग की समीक्षा में श्री पिंगुआ ने धान के स्थान पर अन्य फसलों की खेती को बढ़ावा देने के प्रयासों की जानकारी ली। उन्होंने किसानों को फसल विविधीकरण के लिए प्रोत्साहित करने और वैकल्पिक फसलों से होने वाले लाभों की जानकारी देने के निर्देश दिए। उद्यानिकी विभाग द्वारा बताया गया कि पिछले वर्ष की तुलना में उद्यानिकी फसलों का रकबा लगभग 5 हजार हेक्टेयर बढ़ा है। उन्होंने इस उपलब्धि को आगे बढ़ाते हुए किसानों की आय में वृद्धि के लिए ठोस प्रयास करने कहा। खनिज विभाग की समीक्षा के दौरान अवैध खनन एवं उत्खनन के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई की जानकारी दी गई। श्री पिंगुआ ने अवैध खनन पर सतत निगरानी एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में बिलासपुर शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और ट्रैफिक जाम की समस्या के स्थायी समाधान के लिए किए जा रहे दीर्घकालिक प्रयासों की भी समीक्षा की गई। अपर मुख्य सचिव श्री पिंगुआ ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विभाग अपनी योजनाओं की प्रगति के साथ उनके वास्तविक प्रभाव का भी आकलन करें। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल योजनाओं के निर्धारित आंकड़े पूरे करना नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना होना चाहिए। उन्होंने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को समय पर कार्यालय में उपस्थित रहने, जनसमस्याओं का संवेदनशीलता के साथ निराकरण करने तथा शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुशासन का असर आम जनता को महसूस होना चाहिए और इसी सोच के साथ जिले को उत्कृष्ट बनाने के लिए सभी विभाग मिलकर कार्य करें। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल, नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे, एडीएम श्री विरेंद्र बहादुर पंचभाई, वनमंडलाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

सहकारिता और लोकतंत्र एक-दूसरे के पूरक संभागायुक्त सुनील जैन

- धान खरीदी की तैयारियों और पारदर्शी संचालन पर जोर



बिलासपुर। सहकारिता विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से आज देवकीनंदन सभागृह, लाल बहादुर शास्त्री स्कूल प्रांगण में सेवा सहकारी समितियों के प्रभारी अधिकारियों, प्रभारी प्रबंधकों एवं पदाधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। बिलासपुर एवं मुंगेली जिले की 200 समितियों के प्रतिनिधियों की सहभागिता वाली इस कार्यशाला का शुभारंभ संभागायुक्त श्री सुनील जैन एवं कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला में आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीदी के सुचारू संचालन, पैक्स कंप्यूटरीकरण तथा समितियों के बेहतर प्रबंधन पर प्रशिक्षण दिया गया। संभागायुक्त श्री सुनील जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि सहकारिता और लोकतंत्र एक-दूसरे के पूरक तथा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने सहकारिता के ऐतिहासिक विकास का उल्लेख करते हुए समितियों के कामकाज में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) के कंप्यूटरीकरण की महत्ता बताई। उन्होंने आगामी धान खरीदी की तैयारियों पर चर्चा करते हुए समिति कर्मचारियों की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से निर्धारित करने पर जोर दिया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आगामी धान खरीदी व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए उपार्जन केंद्रों की निरंतर निगरानी के निर्देश दिए।

युवा संसद में एक राष्ट्र एक चुनाव पर युवाओं ने रखे अपने विचार....

- अपने वोट को जानें' विषय पर हुआ युवा संवाद, अभय शुक्ला ने प्राप्त किया प्रथम स्थान



बिलासपुर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप मेरा युवा भारत, बिलासपुर द्वारा 3 नवंबर को जेपी वर्मा महाविद्यालय में जिला स्तरीय 'विकसित भारत युवा संसद 2026-27' एवं 'विकसित भारत युवा संवाद' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माय भारत पोर्टल के माध्यम से पंजीकृत जिले के युवाओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। युवा संसद प्रतियोगिता में अभय शुक्ला ने प्रथम, प्रशंसा पांडे ने द्वितीय और राजलक्ष्मी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में 'अपने वोट को जानें' विषय पर युवा संवाद आयोजित किया गया। प्रतिभागियों ने मतदान के महत्व, लोकतांत्रिक सहभागिता और नागरिकों की भूमिका पर विचार साझा किए। उपस्थित युवाओं एवं अतिथियों ने लोकतंत्र को मजबूत बनाने की शपथ ली। इसके बाद युवा संसद में प्रतिभागियों ने 'एक राष्ट्रएक चुनाव' विषय पर अपने तर्क एवं विचार प्रस्तुत किए। मेरा युवा भारत के उपनिदेशक श्री नितिन कुमार शर्मा ने युवा संसद की संरचना एवं उद्देश्यों की जानकारी देते हुए प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सतीश दुबे ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। युवा संवाद में यूथ आइकन के रूप में प्रशंसा पांडे तथा स्पोर्ट्स आइकन के रूप में यश कुमार एवं गजेंद्र ठाकुर ने युवाओं से संवाद किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रोफेसर राजेंद्र मेहता, पूर्व जिला युवा समन्वयक श्री राकेश शर्मा, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक श्री मनोज सिन्हा, डॉ. कांति अंचल एवं श्रीमती माया यादव शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में श्री मोहनलाल सोनी ने आभार व्यक्त किया।आयोजन में माय भारत के स्वयंसेवक शारदा श्रीवास, हनी गुप्ता एवं अंबुज द्विवेदी ने सक्रिय सहयोग दिया। इस अवसर पर युवा प्रतिभागी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

धान की जगह रागी, कोदो-कुटकी, गेंदे की खेती से भी संवर रही किसानों की आमदनी

- अपर मुख्य सचिव श्री मनोज पिंगुआ ने खेतों में पहुंचकर देखी फसलें, किसानों से किया संवाद
- डॉ. पल्लवी गिरी ने पहली बार धान के बदले एक-एक हेक्टेयर में लगाई कोदो-कुटकी की फसल

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के किसान अब परंपरागत धान की खेती से आगे बढ़कर फसल विविधीकरण की दिशा में नए प्रयोग कर रहे हैं। कहीं धान के स्थान पर रागी, कोदो-कुटकी की फसल लहलहा रही है, तो कहीं गेंदे के फूलों और सब्जियों की खेती किसानों के लिए आमदनी के नए अवसर खोल रही है। अपर मुख्य सचिव, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग तथा जिले के प्रभारी सचिव श्री मनोज पिंगुआ ने आज जिले के विभिन्न गांवों का दौरा कर किसानों द्वारा अपनाई जा रही इन नई कृषि पद्धतियों का अवलोकन किया। उन्होंने खेतों में पहुंचकर किसानों से खेती की लागत, उत्पादन, फसल तैयार होने की अवधि और आमदनी के संबंध में विस्तार से चर्चा की। इस दौरान कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल, उप संचालक कृषि सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे। कोटा ब्लॉक के ग्राम भेलवा टिकरा में डॉ. पल्लवी गिरी ने धान की परंपरागत खेती से हटकर नई पहल की है। उन्होंने पहली बार धान के स्थान पर एक-एक हेक्टेयर में रागी, कोदो



और कुटकी की फसल लगाई है। अपर मुख्य सचिव श्री पिंगुआ ने उनके खेत में पहुंचकर फसलों का अवलोकन किया और इस नवाचार में विशेष रुचि दिखाई। उन्होंने वहां मौजूद किसान से फसल तैयार होने की अवधि, बीज की उपलब्धता और खेती में आने वाली लागत के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि रागी, कोदो-कुटकी जैसी लघु धान्य फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने से किसानों को फसल विविधीकरण के बेहतर अवसर मिलेंगे। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को अन्य किसानों को भी ऐसी वैकल्पिक फसलों की खेती के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। इसके बाद अपर मुख्य सचिव श्री पिंगुआ ने कोटा विकासखंड के ग्राम सिलदहा में किसान संतोष शुक्ला के खेत में पहुचंकर गेंदे की खेती का अवलोकन किया। खेतों में खिले गेंदे के फूलों के बीच उन्होंने किसान से उत्पादन, लागत और बाजार में मिलने वाले मूल्य के संबंध में चर्चा की। वहां मौजदू किसान ने बताया कि लगभग सवा एकड़ में गेंदे की खेती की जा रही है। लगभग 8 से 10 टन गेंदे का उत्पादन होता है। श्री पिंगुआ ने फूलों की खेती से किसानों को होने वाले आर्थिक लाभ की जानकारी ली और उद्यानिकी फसलों के विस्तार पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान ग्राम सिलदहा में किसानों द्वारा अपनाई जा रही अंतरवर्तीय खेती भी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। यहां संतोष शुक्ला अपने खेत में एक-एक हेक्टेयर में खीरे के साथ आलू, टमाटर के साथ बीन्स तथा बैंगन के साथ पत्तागोभी की खेती कर रहे हैं। इसके अलावा करेले सहित अन्य सब्जियों का भी उत्पादन किया जा रहा है।

3 लाख का ओएचई कॉपर वायर,300 मीटर केटनरी वायर ले उड़े चोर

कोरबा। जिले में निर्माणाधीन परियोजनाओं और तकनीकी ढांचों से तार, केबल व उपकरण चोरी होने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र में निर्माणाधीन नई रेलवे लाइन से करीब 3 लाख रुपये कीमत का 300 मीटर ओएचई कॉपर केटेनरी वायर चोरी होने का मामला दर्ज हुआ है। बांकीमोंगरा थाना में अभिषेक कुमार पंडित, साइट इंजीनियर जैन इंफ्राटेक लिमिटेड बिलासपुर, ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी गेवरा से पेंड्रा रोड जाने वाली नई रेलवे परियोजना में छुराकछार से घुड़देवा तक डबलिंग रेलवे लाइन पर ओएचई कॉपर वायर लगाने का काम कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार, 30 अक्टूबर की रात 12 बजे से 31 अक्टूबर की रात 2 बजे के बीच घुड़देवा रेलवे फाटक के पास अज्ञात लोगों ने रेलवे ट्रैक पर लगा करीब 300 मीटर केटेनरी वायर काटकर चोरी कर लिया। चोरी गए कॉपर वायर की अनुमानित कीमत करीब 3 लाख रुपये बताई गई है। घटना के समय सुरक्षा व्यवस्था के लिए गिरी लाल पटेल, गुलशन कुमार, अनिश कुमार, मनीष कुमार और मुस्ताक अंसारी ड्यूटी पर तैनात थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद कंपनी की ओर से पुलिस को लिखित आवेदन देकर अपराध दर्ज करने और कार्रवाई की मांग की गई।

ठंडे बस्ते से बाहर आई संजय दत्त की 'मुन्नाभाई 3'



आखिरकार 20 साल के बाद 'मुन्नाभाई 3' को लेकर हलचल फिर मच गई है। वैसे तो सालों से दर्शक राजकुमार हिरानी से फिल्म की डिमांड कर रहे हैं। अब इस फिल्म में फरहद सामजी की एंट्री भी हो गई है। चलिए 'मुन्नाभाई 3' को लेकर क्या अपडेट आया है, बताते हैं। 'मुन्नाभाई 3' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। पहला और दूसरा पार्ट सुपरहिट होने के बाद से राजकुमार हिरानी से लगातार इसके तीसरे भाग की डिमांड की जा रही है। सालों से दर्शक संजय दत्त और अरशद वारसी का सीक्वल देखना चाहते हैं। अब लेटेस्ट अपडेट मूवी से सामने आया है। दरअसल 'किसी का भाई किसी की जान' के डायरेक्टर फरहद सामजी इस प्रोजेक्ट में जुट चुके हैं। वह फिलहाल इसकी राइटिंग पर काम कर रहे हैं और फिर राजकुमार हिरानी अपने हिस्सा का काम शुरू करेंगे। वैरायटी इंडिया' के मुताबिक, राजकुमार हिरानी 'मुन्नाभाई 3' पर काम कर रहे हैं। लेकिन जबतक स्क्रिप्ट दमदार नहीं होगी, वह इसपर काम शुरू नहीं करेंगे। ऐसे में उन्होंने स्क्रिप्ट के लिए फरहद सामजी को चुना है। रिपोर्ट में तो ये भी दावा किया गया है कि फरहद सामजी जल्द ही राइटिंग के पार्ट को खत्म करेंगे। एक दमदार लेखन के साथ साल 2027 तक फिल्म फ्लोर पर भी आ सकती है। हालांकि मेकर्स ने अभी तक इस बारे में कोई रिएक्शन नहीं दिया है। फरहद सामजी का 'मुन्नाभाई' फ्रैंचाइजी के साथ कनेक्शन पुराना है। उन्होंने साल 2003 में रिलीज हुई फिल्म का 'एम बोले तो 'का शुरुआती स्क्रिप्ट लिखा है।

भूमि पेडनेकर की नई हॉरर फिल्म 'जानी दुश्मन' का ऐलान

आपने कोल्ड ड्रिंक माउंटेन ड्यू का ऐड तो देखा ही होगा। आपको उसके ऐड की टैग लाइन भी याद होगी कि डर के आगे जीत है लेकिन अगले साल थिएटर्स में डर के आगे जीत नहीं बल्कि मौत होगी। भूमि पेडनेकर की हॉरर थ्रिलर फिल्म 'जानी दुश्मन: डर के आगे मौत' का ऐलान हो गया है। यूनाइटेड किंगडम की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म हॉरर फ्रैंचाइजी का हिस्सा है, जिसमें डर, रहस्य और अलौकिक शक्तियों की कहानी देखने को मिलेगी।



फिल्म का पहला पोस्टर सामने आ चुका है जिसकी सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है।भूमि पेडनेकर ने अपने सोशल मीडिया पर अपनी अपकमिंग फिल्म 'जानी दुश्मन : डर के आगे मौत' का पहला पोस्टर शेयर किया। वो अपना पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखती हैं, डर तो बहुत देखा होगा अब खौफ महसूस करने के लिए तैयार हो जाइए। आपके सामने प्रस्तुत है जानी दुश्मन- डर के आगे खौफ है।फिल्म 'जानी दुश्मन : डर के आगे मौत' का निर्देशन अरशद सैयद कर रहे हैं, जबकि रॉबी ग्रेवाल इसके क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं। फिल्म का निर्माण भूषण कुमार की टी-सीरीज और प्रभलीन संधू की अलमाइटी मोशन पिक्चर मिलकर कर रहे हैं। इस सहयोग को लेकर निर्माता भूषण कुमार ने कहा कि अलमाइटी मोशन पिक्चर उनके भरोसेमंद क्रिएटिव पार्टनर्स में से एक है और उनकी टीम के साथ काम करना हमेशा अच्छा अनुभव रहा है। 'मेड इन इंडिया – अ टाइटन स्टोरी' सीरीज के बाद दोनों कंपनियां एक बार फिर 'जानी दुश्मन' के लिए साथ आई हैं।

'रामायण' के लिए रणबीर ने खूब बहाया पसीना

शूटिंग से सालों पहले से कर रहे मशक्कत

नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी 'रामायण' एक लंबे इंतजार और जबरदस्त बज के बाद कल 5 नवंबर को थिएटर्स में रिलीज होने जा रही है। बीते मंगलवार 3 नवंबर को मुंबई में 'रामायण' की खास स्क्रीनिंग रखी गई थी और इससे पहले लॉस एंजिलेस में भी 'रामायण' का स्पेशल प्रीमियर हुआ था। इस प्रीमियर के बाद फिल्म को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पांस मिला। नितेश तिवारी और नमित मल्होत्रा ने इंटरनेशनल मीडिया के साथ खास बातचीत में फिल्म के तीसरे पार्ट को लेकर भी हिंट दिए। नमित मल्होत्रा ने कहा कि वो दर्शकों के रिस्पांस को देखते हुए फिल्म के तीसरे पार्ट पर फैसला लेंगे।'रामायण' के लॉस एंजिलेस में प्रीमियर के बाद से सितारों और मेकर्स



के इंटरव्यू सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। रणबीर कपूर ने भी इंटरनेशनल मीडिया से मुखातिब होते हुए फिल्म को लेकर अपनी तैयारियों के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि 'रामायण' की शूटिंग से पहले उन्होंने सालों इसपर मेहनत की थी और खूब पसीना बहाया था।रणबीर कपूर ने रिव्यू नेशन के साथ बात करते हुए 'रामायण' की तैयारियों को लेकर डिटेल्स साझा कीं। वो कहते हैं कि फिल्म की शूटिंग से सालों पहले से वो खून-पसीना बहा रहे थे और पर्दे पर श्रीराम बनने के लिए उन्होंने खूब मशक्कत की थी। रणबीर कपूर ने खुलासा किया कि पर्दे पर श्री राम बनने के लिए उन्होंने भारत के ओलंपिक खिलाड़ी से ट्रेनिंग ली। एक्टर का कहना है कि इस भूमिका को पर्दे पर जीवंत करने के लिए उन्होंने न सिर्फ धनुष चलाने की तकनीक सीखी, बल्कि भगवान राम के व्यक्तित्व और उनके चरित्र की गहराई को समझने की भी कोशिश की। रणबीर कपूर ने बताया कि फिल्म की शूटिंग शुरू होने से करीब डेढ़ साल पहले उन्होंने एक भारतीय ओलंपियन के साथ ट्रेनिंग ली थी। इसके अलावा, उन्होंने न्यूयॉर्क में भी कुछ क्लासेज कीं।

'तेरा साथ है कितना प्यारा' में नजर आएंगे रघुवीर और वर्तिका चतुर्वेदी

हिंदी फीचर फिल्म तेरा साथ है कितना प्यारा का मुहूर्त समारोह और आधिकारिक पोस्टर लॉन्च 25 अक्टूबर 2026 को मुंबई में आयोजित किया गया। इस अवसर पर फिल्म की औपचारिक शुरुआत की गई। यह फिल्म संघर्ष, महत्वाकांक्षा, त्याग और विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपने सपनों को साकार करने के दृढ़ संकल्प की एक भावनात्मक एवं प्रेरणादायक कहानी प्रस्तुत करेगी।



फिल्म में रघुवीर और वर्तिका चतुर्वेदी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएँगे। फिल्म की कहानी एक ऐसे युवा के जीवन पर आधारित है, जो अपने गाँव से निकलकर मुंबई जैसे बड़े शहर में अपनी पहचान बनाने का सपना लेकर आता है। इस सफर में उसे अनेक कठिनाइयों, संघर्षों और भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यहाँ तक कि उसे अपने परिवार के विरोध और अस्वीकार का भी सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद वह हार नहीं मानता और अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करता रहता है। तेरा साथ है कितना प्यारा केवल सफलता की कहानी नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, हौसले, आत्मसम्मान और अपने सपनों के प्रति अटूट विश्वास की कहानी है। यह दर्शकों को यह संदेश देती है कि परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि आगे बढ़ने का जुनून हो, तो वह अपनी अलग पहचान बना सकता है। राकेश बावा एंटरटेनमेंट एवं एसएस प्रोडक्शन के बैनर तले प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन मनोज अग्रवाल कर रहे हैं, जबकि फिल्म का संगीत रवि चोपड़ा तैयार कर रहे हैं। मुख्य कलाकारों के साथ अली खान, रंजीत, एहसान कुरैशी, गरिमा अग्रवाल, गुलशन पांडे, श्याम सोनी, राकेश बावा, बनवारी झोल और बृज गोपाल प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'जेलर 2' का कोहराम जारी

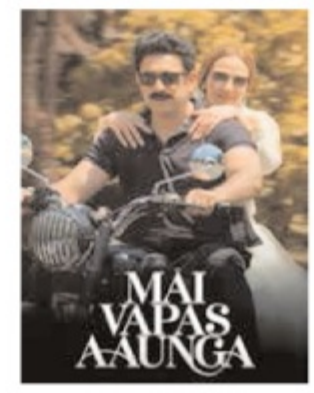


अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तमिल फ़िल्म बनने और दुनिया भर में 800 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने के बाद, रजनीकांत की 'जेलर 2' अब अपने थिएट्रिकल रन के एक अहम पड़ाव पर पहुंच गई है। नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में बनी ये फिल्म तीन हफ्तों से बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं।, लेकिन दिवाली पर रिलीज होने वाली बड़ी फिल्मों के आने से इसकी स्क्रीन की संख्या और कमाई पर असर पड़ सकता है। चलिए यहां जानते हैं कि ये फिल्म रिलीज के 21वें दिन यानी तीसरे बुधवार को कितना कलेक्शन कर रही है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक 'जेलर 2' ने रिलीज के 20वें दिन यानी तीसरे नंगलवार को भारत में 8 हजार 50 शोज के जरिए लगभग 3.35 करोड़ रुपये (नेट) की कमाई की।

फिल्म 'प्रताप' का नया गाना 'मैं वापस आऊंगा' रिलीज

कुछ वादे ऐसे होते हैं, जो वक्त और हालात बदलने के बावजूद हमारे दिलों में हमेशा जिंदा रहते हैं। वे यादों, उम्मीदों और भावनाओं के जरिए हमारे साथ बने रहते हैं। इसी खूबसूरत एहसास को पर्दे पर उतारते हुए अमित साध और ईशा देओल स्टारर फिल्म 'प्रताप' के मेकर्स अपना नया गाना 'मैं वापस आऊंगा' रिलीज कर रहे हैं।

4 नवंबर, 2026 को रिलीज होने वाला यह गाना शाश्वत सिंह और प्रतिज्ञा की आवाजों से सजा है, जबकि इसका संगीत अफजलाली ने तैयार किया है। यह गाना फिल्म की कहानी में एक भावुक और दिल को छू लेने वाला पहलू जोड़ता है। यादों और उम्मीदों के बीच बुना गया 'मैं वापस आऊंगा' एक ऐसे वादे की कहानी कहता है, जो दूरियों के बावजूद दिल में जिंदा रहता है। दो दिलों के बीच जुड़े गहरे भावनात्मक रिश्ते को दर्शाता यह गाना प्यार, इंतजार और दोबारा मिलने की उम्मीद को खूबसूरती से बयां करता है। इसकी दिल को छू लेने वाली धुन दर्शकों को 'प्रताप' की दुनिया के एक निजी और भावनात्मक पहलू से रूबरू कराती है।गाने के बारे में



बात करते हुए एक्टर अमित साध ने कहा, 'मैं वापस आऊंगा' एक ऐसी भावना को खूबसूरती से बयां करता है, जो एक तरफ बेहद पर्सनल है, तो दूसरी तरफ हर किसी के दिल से जुड़ी हुई है।

फीचर

आज का राशिफल

मेष राशि - आज आपका आत्मविश्वास और मेहनत आपको आगे बढ़ने की ताकत देंगे। कार्यक्षेत्र में अपनी पहचान मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास करने होंगे, लेकिन ध्यान रखें कि हर काम जल्दबाजी में करना जरूरी नहीं है। मेहनत के साथ सही रणनीति अपनाएंगे, तो कम समय में बेहतर परिणाम हासिल कर सकते हैं।

वृषभ राशि - आज दोस्तों और करीबियों के साथ समय बिताने के कई अच्छे मौके मिल सकते हैं। उनकी संगति से मन प्रसन्न रहेगा और आप रोजमर्रा की व्यस्तता से कुछ राहत महसूस करेंगे। हालांकि, आर्थिक मोर्चे पर कोई चुनौती सामने आ सकती है, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। आपकी व्यावहारिक सोच और समझदारी आपको सही रास्ता दिखाएगी।

मिथुन राशि - आज आपका मन घर-परिवार और सुख-सुविधाओं से जुड़ी बातों में अधिक लगेगा। अपनों के साथ समय बिताने से मन को सुकून मिलेगा और परिवार के लिए कुछ अच्छा करने की इच्छा भी प्रबल होगी। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, इसलिए अपने कामकाज को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाना जरूरी होगा।

कर्क राशि - आज नए लोगों से जुड़ना और अपने संपर्कों का दायरा बढ़ाना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा और कार्यक्षेत्र के विस्तार के नए रास्ते भी खुल सकते हैं। भाई-बहनों और करीबी लोगों का सहयोग मिलने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। पेशेवर जीवन में परिस्थितियां अनुकूल रहने के संकेत हैं।

सिंह राशि - आज आपकी रचनात्मक सोच और नए विचार आपको दूसरों से अलग पहचान दिला सकते हैं। किसी नई योजना पर काम शुरू करने या अपनी प्रतिभा को सामने लाने का अवसर मिलेगा। महत्वपूर्ण मामलों में तेजी आने से कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है।

कन्या राशि - आज करियर, कारोबार और आर्थिक मामलों में सोच-समझकर कदम उठाने की जरूरत है। किसी जल्दबाजी भरे फैसले या बिना पूरी जानकारी के किए गए निवेश से परेशानी हो सकती है, इसलिए हर निर्णय लेने से पहले उसके फायदे और नुकसान पर विचार करें।

तुला राशि- आज आपका ध्यान आर्थिक लाभ, करियर में तरक्की और नए अवसरों पर केंद्रित रहेगा। पेशेवर क्षेत्र में कोई आकर्षक प्रस्ताव सामने आ सकता है, इसलिए अवसरों को पहचानने और उनका सही समय पर लाभ उठाने के लिए तैयार रहें। आपकी व्यावसायिक समझ और दूरदर्शिता महत्वपूर्ण फैसलों में मदद करेगी।

वृश्चिक राशि - आज करियर और कारोबार के मामलों में आपकी स्थिति मजबूत रह सकती है। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलने से काम करने का उत्साह बढ़ेगा और किसी नए प्रस्ताव पर विचार करने का अवसर भी मिल सकता है। प्रशासन और प्रबंधन से जुड़े कार्यों को आप अपनी सूझबूझ के दम पर अच्छी तरह संभाल पाएंगे।

धनु राशि- आज भाग्य का साथ मिलने से आपके कई रुके हुए काम आगे बढ़ सकते हैं। लंबे समय से किए जा रहे प्रयासों का अपेक्षा से बेहतर परिणाम मिलने की संभावना है। नई तकनीक, आधुनिक तरीकों और नए विचारों को अपनाने की आपकी कोशिश कार्यक्षेत्र में लाभ दिला सकती है।

मकर राशि - आज पैसों से जुड़े मामलों में सतर्क रहना जरूरी है। किसी को उधार देने या लेने से बचें, वरना नुकसान हो सकता है। छोटी बातों को लेकर ज्यादा सोचने से आपका ध्यान जरूरी कामों से हट सकता है। खानपान में संतुलन रखें और बहुत गर्म या ठंडी चीजें खाने से बचें।

कुंभ राशि- आज का दिन कुछ मामलों में अनुकूल तो कुछ में अतिरिक्त सावधानी बरतने का संकेत दे रहा है। स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें और मौसम में बदलाव के कारण होने वाली छोटी-मोटी परेशानियों को नजरअंदाज न करें।

मीन राशि-आज टीमवर्क और आपसी सहयोग आपके लिए सफलता के नए रास्ते खोल सकते हैं। आप लोगों को साथ लेकर चलने में सफल रहेंगे और सामूहिक प्रयासों से कामकाज में अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

एकादशी तिथि पर भगवान विष्णु की आराधना फलदायी

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि को भगवान विष्णु की आराधना के लिए विशेष फलदायी माना गया है। इन्हीं पावन तिथियों में से एक है रमा एकादशी। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष में आने वाली इस एकादशी का विशेष धार्मिक महत्व है। दीपावली से कुछ दिन पहले पड़ने के कारण इस व्रत का महत्व और भी बढ़ जाता है। इसे रम्भा एकादशी के नाम से भी जाना जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, रमा एकादशी पर श्रद्धापूर्वक उपवास और भगवान विष्णु की पूजा करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिलती है। आइए जानते हैं साल 2026 में रमा एकादशी का व्रत किस दिन रखा जाएगा, पूजा का शुभ समय क्या है और इस दिन किस विधि से भगवान विष्णु की आराधना करनी चाहिए।

रमा एकादशी 2026 कब है?

पंचांग के अनुसार, कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 5 नवंबर 2026, गुरुवार को पड़ रही है। ऐसे में इसी दिन रमा एकादशी का व्रत रखा जाएगा। इस अवसर पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है।



एकादशी तिथि का आरंभ- 4 नवंबर 2026, सुबह 11:03 बजे

एकादशी तिथि की समाप्ति- 5 नवंबर 2026, सुबह 10:35 बजे

व्रत पारण का समय- 5 नवंबर 2026, सुबह 10:35 बजे

रमा एकादशी की पूजा विधि

रमा एकादशी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके बाद भगवान विष्णु के समक्ष व्रत और पूजा का संकल्प लें। पूजा के लिए इन बातों का ध्यान रखें।

सबसे पहले पूजा स्थल की अच्छी तरह सफाई करें और एक चौकी पर पीले रंग का साफ कपड़ा बिछाएं। चौकी पर भगवान गणेश और श्रीहरि विष्णु की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें। भगवान के समक्ष दीपक जलाकर विधिपूर्वक पूजा-अर्चना शुरू करें। श्रीहरि को पीले फूल, अक्षत, चंदन और अन्य पूजन सामग्री अर्पित करें। भगवान विष्णु को पंचामृत का भोग लगाएं। इसमें तुलसी दल अवश्य शामिल करें। इसके बाद फल, मिठाई और अन्य सात्विक पकवानों का भोग अर्पित करें। पूजा के दौरान विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें और रमा एकादशी व्रत की कथा सुनें। आखिर में भगवान विष्णु और गणेश जी की आरती करें तथा परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करें।

गोवत्स द्वादशी के दिन गायों और बछड़ों की पूजा

गोवत्स द्वादशी धनतेरस से एक दिन पहले मनाई जाती है। इसे वसु बारस, बछ बारस और नन्दिनी व्रत के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन गायों और बछड़ों की पूजा होती है। भारत के कई क्षेत्रों में गोवत्स द्वादशी के जैसा ही एक अन्य पर्व मनाया जाता है, जिसे बछ बारस के नाम से जाना जाता है। लेकिन यह पर्व गोवत्स द्वादशी से लगभग दो महीने पहले पड़ता है। इस त्योहार में भी गायों और बछड़ों की पूजा होती है। वसु बारस पर्व में गाय का दूध और उससे निर्मित पदार्थों का प्रयोग वर्जित माना जाता है। इस दिन संतान की उन्नति और दीर्घायु के लिये व्रत रखा जाता है।

गोवत्स द्वादशी (वसु बारस) 2026 डेट

गोवत्स द्वादशी (वसु बारस) का त्योहार इस साल 5 नवंबर 2026 को मनाया जाएगा। पंचांग अनुसार गोवत्स द्वादशी तिथि 5 नवंबर की सुबह 10:35 से शुरू होकर 6 नवंबर 2026 की सुबह 10:30 बजे तक रहेगी।

गोवत्स द्वादशी (वसु बारस) शुभ मुहूर्त 2026

गोवत्स द्वादशी (वसु बारस) का शुभ मुहूर्त शाम 05:33 से शुरू होकर रात 08:10 बजे तक रहेगा।

● गोवत्स द्वादशी पूजा विधि

गोवत्स द्वादशी के दिन प्रातःकाल स्नान के बाद व्रती महिलाएं गो माता और उसके बछड़े की विधिपूर्वक करें। अगर घर में गाय और बछड़ा है तो उनका शृंगार करें। अगर नहीं है तो गाय-बछड़े की मूर्ति या चित्र बनाकर उनका शृंगार करें। उनके माथे पर हल्दी-कुमकुम लगाएं। साथ ही रोली, नैवेद्य, फल, मिष्टान्न, अक्षत, दीप, धूप आदि द्वारा विधिवत् पूजन करें। पूजा के बाद गाय और उनके बछड़ों को मीठा चारा, गुड़-चना आदि चीजें अर्पित करें। दिनभर व्रत रहें और गाय की सेवा करें। शाम में फिर से विधिवत् पूज करें और इस दौरान गोवत्स द्वादशी की कथा का श्रवण भी जरूर करें। शाम में पूजन के बाद भोजन कर लें।



धनतेरस पर ये 7 चीजें खरीदना माना जाता है शुभ

धनतेरस का त्योहार हिंदू धर्म में बेहद खास माना जाता है। दिवाली से पहले मनाया जाने वाला यह पर्व धन, आरोग्य और सुख-समृद्धि का प्रतीक है। इस दिन मां लक्ष्मी, भगवान कुबेर और भगवान धन्वंतरि की पूजा करने की परंपरा है। धनतेरस आते ही बाजारों में रौनक बढ़ जाती है और लोग सोने-चांदी के आभूषण, सिक्के और नए बर्तन खरीदने के लिए बाजारों का रुख करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन शुभ वस्तुएं घर लाने से परिवार में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है। साल 2026 में धनतेरस का त्योहार 6 नवंबर, शुक्रवार को मनाया जाएगा। इस मौके पर अगर आप भी खरीदारी की तैयारी कर रहे हैं, तो जरूरी नहीं कि आपको सोना या चांदी ही खरीदना पड़े। दरअसल, हिंदू परंपराओं में कई ऐसी छोटी और उपयोगी चीजों का भी महत्व बताया गया है, जिन्हें धनतेरस पर घर लाना शुभ माना जाता है।

1. पीतल और तांबे के बर्तन

धनतेरस पर नए बर्तन खरीदने की परंपरा काफी पुरानी है। इस दिन आप पीतल की थाली, तांबे का लोटा, कलश या पूजा के बर्तन खरीद सकते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसलिए इस दिन बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। आप अपनी जरूरत और बजट के अनुसार बर्तन चुन सकते हैं।

2. नई झाड़ू

धनतेरस पर झाड़ू खरीदने की परंपरा भी कई भारतीय परिवारों में प्रचलित है। धार्मिक मान्यताओं में झाड़ू को मां लक्ष्मी से जोड़कर देखा जाता है। माना जाता है कि नई झाड़ू घर की गंदगी और नकारात्मकता को दूर करने का प्रतीक है। इसलिए इस दिन नई झाड़ू खरीदकर घर लाना शुभ माना जाता है।



3. साबुत धनिया

धनतेरस पर साबुत धनिया खरीदना भी कई क्षेत्रों में शुभ माना जाता है। कुछ परिवार इसे मां लक्ष्मी की पूजा में अर्पित करते हैं और बाद में पूजा के स्थान या तिजोरी में रखते हैं। कुछ लोग इसे मिट्टी में बोकर नई फसल और समृद्धि का प्रतीक मानते हैं। यह कम बजट में की जाने वाली पारंपरिक खरीदारी है।

4. मिट्टी के दीये और पूजा सामग्री

दिवाली और धनतेरस पर मिट्टी के दीयों का विशेष महत्व है। दीपक को प्रकाश, सकारात्मकता और अंधकार पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। आप धनतेरस पर मिट्टी के दीये, रुई की बत्तियां, पूजा की थाली और दीपक जलाने के लिए तेल खरीद सकते हैं। इससे दिवाली की तैयारियां भी पूरी हो जाएंगी।

5. मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की मूर्ति

दिवाली की पूजा में मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा का विशेष महत्व है। ऐसे में धनतेरस पर नई लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति खरीदना भी शुभ माना जाता है। आप अपनी पसंद के अनुसार मिट्टी, पीतल या चांदी की मूर्ति खरीद सकते हैं। ध्यान रखें कि मूर्ति सुंदर होने के साथ पूजा के लिए उपयुक्त भी हो।

6. आयुर्वेदिक और स्वास्थ्य से जुड़ी चीजें

धनतेरस को भगवान धन्वंतरि की जयंती और राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। भगवान धन्वंतरि को आयुर्वेद और आरोग्य का देवता माना जाता है। इसलिए इस दिन जरूरत की आयुर्वेदिक सामग्री, औषधीय पौधे या स्वास्थ्य से जुड़ी उपयोगी चीजें खरीदने की परंपरा भी कुछ परिवारों में देखने को मिलती है।

7. गोमती चक्र और कौड़ियां

गोमती चक्र और कौड़ियों को धार्मिक मान्यताओं में शुभता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। कई लोग इन्हें धनतेरस पर खरीदकर मां लक्ष्मी की पूजा में शामिल करते हैं। पूजा के बाद इन्हें पूजा घर या तिजोरी में रखा जाता है। हालांकि, इनसे धन बढ़ने की कोई वैज्ञानिक गारंटी नहीं है, यह मुख्य रूप से धार्मिक आस्था और पारिवारिक परंपरा से जुड़ी मान्यता है।

खैरागढ़ में नि:शुल्क कैंसर जाँच एवं परामर्श शिविर में उमड़ी भीड़

रायपुर के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने दी सेवाएं





खैरागढ़। रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल, रायपुर एवं खैरागढ़ सरकारी अस्पताल के संयुक्त तत्वाधान में आज, 04 नवंबर 2026 (बुधवार) को एक दिवसीय निःशुल्क कैंसर रोग जाँच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। यह स्वास्थ्य शिविर खैरागढ़ सरकारी अस्पताल परिसर में आयोजित था.जहां रायपुर के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने शिविर में पहुंचे लोगों को जांच कर उचित परामर्श दिया।

//निःशुल्क जांच व परामर्श//

शिविर में मरीजों की जाँच और उचित चिकित्सीय परामर्श देने के लिए रायपुर के रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के तीन ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ डॉक्टर. बबलेश महावर (एमबीबीएस, डीएनबी - एनेस्थिसियोलॉजी, सीनियर कंसलटेंट - हेड पेन एवं पैलिएटिव मेडिसिन),

डॉ. नवीन जैन (एमडीएस, एफ्चएनओ, एफ्आईसीओ - कंसलटेंट हेड एवं नेक ऑन्कोलॉजी)

-. डॉ. रुचिर धाकड़ (एमबीबीएस, एमएस, एमसीएच - कंसलटेंट सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, लैप्रोस्कोपिक एवं रोबोटिक ऑन्कोसर्जन) मौजूद रहें।

अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि, शिविर का समय सुबह 10:30 बजे से दोपहर 01:30 बजे तक निर्धारित किया गया था। जिसमें जांच काफ़ी संख्या में लोग पहुंचे थे।

शिविर में आने वाले मरीजों को आयुष्मान कार्ड (या शासकीय स्वास्थ्य योजना कार्ड) के अंतर्गत निःशुल्क इलाज व जाँच की पात्रता के अनुसार सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं।

आबकारी विभाग जाँजगीर चांपा की कार्यवाही



जांजगीर चांपा कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार व प्रभारी सहायक आयुक्त आबकारी योगेश्वर कुमार द्विवेदी के विशेष मार्गदर्शन में जिला-जांजगीर चांपा में आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब निर्माण एवं भंडारण पर कार्यवाही की गई - कृष्णा गोंड़ पिता भुजबल गोंड़, उम्र-21 वर्ष, जाति-गोंड़, साकिन-कोटमीसोनार सबरिया डेरा, थाना-अकलतरा से जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.) के रिहायशी मकान से 20 लीटर अवैध हाथ भट्ठी महुआ शराब बरामद होने आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) 59 (क)के तहत प्रकरण कायम किया गया ।राजकुमार गोंड़ पिता भरत गोंड, उम्र 21 वर्ष, जाति-गोंड, साकिन-कोटमीसोनार वार्ड न. 18, थाना अकलतरा, जिला- जांजगीर-चांपा (छ.ग.) आबकारी के रिहायशी मकान से 18 लीटर अवैध हाथ भट्ठी महुआ शराब बरामद होने आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) 59 (क)के तहत प्रकरण कायम किया गया । संगीत कुमार पिता मनीराम , उम्र 26 वर्ष, जाति-मेहर साकिन-पकरिया, थाना मुलमुला जिला- जांजगीर-चांपा (छ.ग.) के रिहायशी मकान से 7 लीटर अवैध हाथ भट्ठी महुआ शराब बरामद होने आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) 59 (क)के तहत प्रकरण कायम किया गया । कार्यवाही दौरान आबकारी उपनिरीक्षक अकलतरा वृत्त प्रभारी दीपक सिंह ठाकुर आबकारी उपनिरीक्षक विकास पाल सांडे,यीवरेश कुमार ,मनीष साहू ,विजयेंद्र टंडन , जिला उड़नदस्ता प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक गुलशन साहू ,देवेंद्र तान्डे एवं मुख्यआरक्षक राजेश पांडेय ,मुकेश शर्मा,विमल सनाढ्य,आरक्षक गीता कमल ,शीतला ,अंशु पाटनवार,रितेश गुप्ता,किशन तथा नगरसेना का महत्वपूर्ण योगदान रहा।



निगम के दो कर्मचारी हुए सेवानिवृत्त

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई में अपनी लंबी सेवाएं पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए दो कर्मचारियों को निगम प्रशासन द्वारा दिनांक 02 नवम्बर 2026 को गरिमामय कार्यक्रम आयोजित कर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों में वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक कृष्ण कुमार सिंह एवं चेनमेन सुदेश कुलदीप शामिल हैं।निगम के एमआईसी कक्ष में आयोजित सम्मान समारोह में दोनों कर्मचारियों को शाल एवं श्रीफल भेंटकर तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उनके द्वारा निगम में वर्षों तक पूरी निष्ठा, लगन एवं जिम्मेदारी के साथ किए गए कार्यों की सराहना की गई। अधिकारियों ने कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति में कर्मचारियों की मेहनत और समर्पण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। दोनों कर्मचारियों ने अपने कार्यकाल के दौरान निगम के कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 5 नवंबर को जांजगीर-चांपा दौरे पर: कुर्मी महासम्मेलन और यादव समाज भवन के लोकार्पण में होंगे शामिल



जांजगीर। छत्तीसगढ़ प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्री भूपेश बघेल आगामी 05 नवंबर 2026 को जांजगीर-चांपा जिले के एक दिवसीय प्रवास पर रहेंगे।

उपरोक्त संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए जांजगीर-चांपा विधायक ब्यास कश्यप ने बताया कि श्री भूपेश बघेल इस प्रवास के दौरान जिले में आयोजित विभिन्न सामाजिक सम्मेलनों, विकास कार्यों के लोकार्पण और प्रतिमा अनावरण कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। स्थानीय कार्यकर्ताओं और आयोजकों द्वारा उनके इस बहुप्रतीक्षित दौरे की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

कार्यक्रमों के विषय में जानकारी देते हुए ब्यास कश्यप ने बताया कि 05 नवंबर को श्री भूपेश बघेल दोपहर 1.00 बजे पामगढ़ के कोसला गांव पहुचेंगे। वे यहां आयोजित कुर्मी एकता महासम्मेलन में शामिल होंगे। इसके पश्चात् दोपहर 2.00 बजे उनका खरौद आगमन होगा तथा यहां वे 50 लाख रूपए की लागत से निर्मित यादव समाज भवन का लोकार्पण करेंगे। ज्ञात हो इस भवन की स्वीकृति भूपेश बघेल ने मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए प्रदान की थी। दोपहर 3.00 बजे भूपेश बघेल जी का आगमन नवागढ़ में होगा, जहां वे शहीद राजेन्द्र कश्यप जी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री के इस व्यापक दौरे को लेकर पामगढ़ और जांजगीर-चांपा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं सामाजिक संगठनों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। विभिन्न आयोजनों से जुड़े समन्वयकों ने बताया कि कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए बड़े स्तर पर तैयारियां की गई है, जिसमें बड़ी संख्या में आम जनता और सामाजिक जनों के शामिल होने की संभावना है।

सीएम हेल्पलाईन संबंधी शिकायतों का करें गुणवत्तापूर्वक निराकरण- संभागायुक्त राठौर

शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा नशा के खिलाफजनजागरूकता अभियान जारी रखें- कार्यदक्षता बढ़ाने ध्यान जरूरी

दुर्ग/ संभाग आयुक्त श्री एस.एन. राठौर ने आज संभागीय कार्यालय के सभाकक्ष में संभाग स्तरीय अधिकारियों की समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा की। साथ ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि ई-ऑफिस प्रक्रिया के संबंध में समस्त विभागीय अधिकारी/कर्मचारियों को प्रशिक्षण के माध्यम से दक्ष किया गया है। अब सभी कार्यालयों में फाईल मुवमेंट का कार्य ई-ऑफिस प्रक्रिया के माध्यम से किया जाए। इसी प्रकार शासन की मंशानुसार सीएम हेल्पलाईन अंतर्गत प्राप्त शिकायतों का निराकरण एल-1, एल-2, एल-3 व एल-4 अधिकारियों द्वारा गुणवत्तापूर्वक किया जाए। शिकायतों का निराकरण आवेदकों के लिए संतोषप्रद होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थाएं नशा के खिलाफ



जनजागरूकता अभियान को नियमित जारी रखें, ताकि युवा पीढ़ी को इसके दुष्परिणाम से मुक्त रखा जा सकें। संभाग आयुक्त श्री राठौर ने शासन के निर्देशों के तहत संभाग के अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतों में प्राथमिक सहकारी समितियों के गठन पर जोर देते हुए आयुक्त सहकारी समिति को दुग्ध, मत्स्य एवं वनोपज समिति अधिक संख्या में गठित करने के निर्देश दिये। बैठक में अवगत कराया गया कि संभाग अंतर्गत 2443 ग्राम पंचायतों में से 1330 ग्राम पंचायतों में उक्त समितियां गठित कर ली गई है। संभाग आयुक्त श्री राठौर ने निर्माण कार्य एजेंसी विभागों को चंदूलाल चन्द्राकर चिकित्सा महाविद्यालय एवं गर्ल्स महाविद्यालय दुर्ग अंतर्गत हॉस्टल निर्माण कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिये। उन्होंने सीजीएमएससी अंतर्गत निर्माण कार्य और जल जीवन मिशन के कार्यों की भी समीक्षा की। बैठक के पूर्व अधिकारियों ने कार्यालयीन कार्य के दौरान तनाव से मुक्ति के संबंध में ब्रम्हकुमारी रीता दीदी जी के मागदर्शन में ध्यान किये। इस दौरान अधिकारियों को स्वस्थ्य कार्यशैली के संबंध में भी अवगत कराया गया। समस्त अधिकारियों को आगामी 13 दिसम्बर 2026 को ब्रम्हाकुमारीज आनंद सरोवर दुर्ग में आयोजित दिव्य उद्बोधन एवं मेडिटेशन सत्र में सम्मिलित होने आमंत्रित किया गया।

दीपावली एवं छठ पर्व को देखते हुए भिलाई में प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने में जुटा निगम



भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा आगामी दीपावली एवं छठ पर्व को दृष्टिगत रखते हुए शहर की प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। पर्व के दौरान नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो और शहर के प्रमुख मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों पर पर्याप्त रोशनी उपलब्ध रहे, इसके लिए निगम द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। निगम क्षेत्र के अंतर्गत सड़कों, बाजारों एवं प्रमुख चौक-चौराहों पर पूर्व से लगे बंद एवं खराब स्ट्रीट लाइटों को बदलकर नए लाइट लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही जिन स्थानों पर प्रकाश व्यवस्था की आवश्यकता है, उनका चिन्हांकन कर वहां भी नए लाइट लगाने की कार्रवाई की जा रही है। त्योहारी सीजन को देखते हुए निगम का प्रयास है कि शहर के सभी प्रमुख मार्गों, बाजारों एवं आवागमन वाले क्षेत्रों में पर्याप्त रोशनी रहे। इससे दीपावली एवं छठ पर्व के दौरान देर रात तक आने-जाने वाले नागरिकों, व्यापारियों एवं श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी। साथ ही अंधेरे वाले स्थानों पर रोशनी होने से नागरिकों की सुरक्षा एवं आवागमन भी बेहतर होगा। नगर निगम द्वारा शहर की प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आवश्यकतानुसार लाइट लगाने एवं खराब लाइटों को बदलने का कार्य लगातार जारी रखा जाएगा।

नमस्ते योजना के तहत 45 वेस्ट पीकर दीदीयों को दिया जा रहा 5 दिवसीय प्रशिक्षण,

-नगर निगम के 582 स्वच्छता मित्रों को 10 चरणों में मिलेगा प्रशिक्षण,



दुर्ग/ 3 नवंबर/ नगर पालिक निगम। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी 'नमस्ते योजना' के अंतर्गत नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा कचरा संग्रहण एवं पृथक्करण का कार्य करने वाले वेस्ट पीकर्स कचरा बीनने वाले स्वच्छता मित्रों के कौशल उन्नयन, सामाजिक सम्मान एवं व्यावसायिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।इसी क्रम में प्रथम चरण का 5 दिवसीय प्रशिक्षण 31 अक्टूबर से प्रारंभ हुआ है, जिसमें 45 वेस्ट पीकर दीदीयों एवं सफाई मित्रों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। निगम क्षेत्र के कुल 582 स्वच्छता मित्रों को आगामी दिनों में 10 चरणों में प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि सभी को योजना के प्रावधानों, सुरक्षा उपायों एवं शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी मिल सके,प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों का पंजीयन किया गया है। उन्हें जल्द ही विशेष पहचान पत्र (आईडी कार्ड) जारी किए जाएंगे। इसके माध्यम से वे शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के पात्र होंगे। प्रशिक्षण में आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना बीमा, स्वरोजगार के लिए पूंजीगत सब्सिडी एवं बैंक ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा संबंधित विभागों की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही वेस्ट पीकर दीदीयों को कचरे के उचित पृथक्करण, पीपीई किट के उपयोग, आधुनिक सुरक्षा उपकरणों के संचालन एवं कार्य के दौरान अपनाई जाने वाली आवश्यक सावधानियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

ब्लास्ट फर्नेसों की परिचालन दक्षता बढ़ाने पर केंद्रित दो दिवसीय लियो वर्कशॉप का निदेशक प्रभारी ने किया उद्घाटन

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा विभिन्न संयंत्रों के बीच अनुभवों एवं श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान के उद्देश्य से 3 एवं 4 नवंबर 2026 को भिलाई निवास के बहुउद्देशीय सभागार में दो दिवसीय कार्यशाला 'लर्निंग फ्रॉम इच अदर' (एलईओ) का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला का उद्घाटन 03 नवंबर 2026 को भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री चित्त रंजन महापात्र द्वारा कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) श्री राकेश कुमार की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (आयरन) श्री मनोज कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) श्री विवेक वर्मा, मुख्य महाप्रबंधक (ओएचपी) श्री आर बी गहरवार तथा मुख्य महाप्रबंधक



(कोक ओवन) श्री तुलाराम बेहेरा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। कार्यशाला में राउरकेला स्टील प्लांट, दुर्गापुर स्टील प्लांट, बोकारो स्टील प्लांट, आरडीसीआईएस, आईएसपी बर्नपुर और सेल-भिलाई स्टील प्लांट के प्रतिभागियों ने भाग लिया और सभी भाग लेने वाली इकाइयों व संयंत्रों द्वारा प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यशाला में प्रतिभागी संस्थानों के प्रतिनिधियों ने 'लार्ज एंड मिड वॉल्यूम ब्लास्ट फर्नेस में ऑपरेशनल चैलेंजेस एंड बेस्ट प्रैक्टिसेज' विषय पर अपने अनुभव एवं तकनीकी जानकारियाँ साझा कीं। इस दौरान ब्लास्ट फर्नेस के संचालन एवं रखरखाव में अपनाई जा रही प्रभावी कार्यप्रणालियों पर चर्चा की गई, ताकि विभिन्न संयंत्र इनसे लाभान्वित होकर अपने यहाँ भी इनका उपयोग कर सकें। आपसी विचार-विमर्श एवं अनुभवों के आदान-प्रदान के माध्यम से परिचालन संबंधी चुनौतियों के बेहतर एवं व्यावहारिक समाधान विकसित करने की दिशा में चर्चा की जा रही है। निदेशक प्रभारी श्री चित्त रंजन महापात्र ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए में कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य विभिन्न इस्पात संयंत्रों में सामने आने वाली परिचालन संबंधी समस्याओं पर सामूहिक रूप से चर्चा करना तथा एक-दूसरे के अनुभवों से सीखना है।

भरतमुनि के नाट्यशास्त्र के ऐतिहासिक संदर्भों पर खुली चर्चा से ही समाज को बनाया जा सकता है अधिक समावेशी: राजेश कुमार



भिलाई। 'मूलनिवासी कला साहित्य और फिल्म फेस्टिवल, भिलाई' के बैनर तले डॉ. अम्बेडकर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, स्टेशन मरोदा में एक महत्वपूर्ण वैचारिक एवं सांस्कृतिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्राचीन भारतीय ग्रंथों, कला और संस्कृति में निहित ऐतिहासिक और सामाजिक पहलुओं पर खुलकर संवाद करना था।इस विशेष अवसर पर प्रसिद्ध नाटककार एवं प्रख्यात नाट्यकर्मी राजेश कुमार ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि भरतमुनि का नाट्यशास्त्र–जिसे भारतीय परंपरा में 'पाँचवाँ वेद' माना जाता है–और प्राचीन स्मृतियों के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि उस कालखंड की सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था में किस प्रकार की मान्यताएं प्रचलित थीं। उन्होंने कहा कि तत्कालीन भारतीय समाज में व्याप्त सामाजिक सांस्कृतिक जातिवादी भेदभाव वाले बहुत से श्लोक हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि नाट्य शास्त्र और मनुस्मृति के लेखन का समय लगभग एक ही समय का है। जहां एक ओर मनुस्मृति ने समाज में क्रमिक ऊंच नीच के जातिगत अवधारणा को कानूनी दर्जा देकर सामाजिक वर्ण विभाजन को पुख्ता करने का काम किया वहीं नाट्य शास्त्र ने इसी भेदभाव को सांस्कृतिक रूप से मजबूत किया।

प्रतिकूल मौसम और अवकाश के बावजूद जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग ने निरंतर प्रयासों से अभियान की सफलता सुनिश्चित की

हर बच्चे का बचपन, हम सबकी जिम्मेदारी: दुर्ग के 76 चिन्हांकित विद्यालयों में सुरक्षित बचपन अभियान के अंतर्गत विधिक जागरूकता शिविर आयोजित



दुर्ग । किसी बच्चे के लिए विद्यालय केवल पढ़ाई की जगह नहीं, बल्कि सपने देखने, आगे बढ़ने और अपने भविष्य को आकार देने का स्थान होता है। लेकिन इन सपनों की राह में यदि असुरक्षा, शोषण, बाल विवाह या इंटरनेट की दुनिया में छिपे खतरे आ जाएं, तो बच्चे को केवल सहानुभूति नहीं, बल्कि सही जानकारी, सुरक्षा और समय पर सहायता की भी आवश्यकता होती है। इसी सोच के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा सुरक्षित बचपन अभियान के माध्यम से जिले के विद्यालयों में बच्चों तक कानून और उनके अधिकारों की जानकारी पहुंचाने की पहल की गई है।राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के अध्यक्ष श्री के. विनोद कुजूर के मार्गदर्शन में जिले के कुल 76 चिन्हांकित विद्यालयों में अभियान के अंतर्गत विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। प्राधिकरण के सचिव श्री उमेश कुमार भागवतकर के समन्वय में संचालित इस अभियान में जिला दुर्ग के समस्त न्यायाधीशों, पैनल अधिवक्ताओं, साइबर सेल के अधिकारीगण, विभिन्न विभागों के अधिकारीगण तथा प्राधिकरण के पैरा लीगल वॉलंटियर्स (पीएलवी) ने सक्रिय भूमिका निभाई।अभियान की थीम ÷जागरूकता, सुरक्षा और संरक्षण हर बच्चे का अधिकार÷ है, जबकि इसका मूल संदेश है—÷हर बच्चे का बचपन, हम सबकी जिम्मेदारी।÷ यह संदेश केवल एक नारा नहीं, बल्कि बच्चों, परिवारों, विद्यालयों और समाज के बीच साझा जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का आह्वान है।कानून की जानकारी, बच्चों की अपनी भाषा में-इस अभियान की विशेषता यह रही कि बाल संरक्षण जैसे गंभीर विषयों को केवल कानूनी प्रावधानों तक सीमित न रखते हुए बच्चों के दैनिक जीवन से जोड़कर समझाने पर बल दिया गया। अभियान के अंतर्गत छह विषय निर्धारित किए गए हैं—÷मेरा बचपन, मेरा अधिकार÷, ÷कानून जानो, बचपन बचाओ÷, ÷सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित बचपन÷, ÷बोलो, बताओ, बचाओ÷, ÷ना बाल विवाह, ना बाल शोषण÷ तथा ÷जागरूक बचपन, सशक्त भारत÷।इन विषयों के माध्यम से बच्चों को उनके अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा, इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग, शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया तथा सहायता प्राप्त करने के उपलब्ध माध्यमों से परिचित कराया गया। विद्यालयों में आयोजित जागरूकता गतिविधियों के जरिए बच्चों को यह समझाने का प्रयास किया गया कि असुरक्षित परिस्थितियों को पहचानना, अनुचित व्यवहार के विरुद्ध आवाज उठाना और किसी विश्वसनीय व्यक्ति अथवा सक्षम प्राधिकारी से सहायता मांगना उनके अधिकारों का हिस्सा है।

अभियान के दौरान न्यायिक अधिकारियों, पैनल अधिवक्ताओं, साइबर सेल तथा विभिन्न विभागों के अधिकारीगण और पीएलवी ने अपने-अपने स्तर पर बच्चों को सरल एवं सहज तरीके से जानकारी प्रदान की। इस सामूहिक सहभागिता ने बाल अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और बाल संरक्षण के विषयों को व्यापक रूप से बच्चों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।प्रतिकूल मौसम के बावजूद अभियान के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता-सुरक्षित बचपन अभियान के दौरान मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियां भी सामने आईं। बंगाल की खाड़ी से उठे गंभीर चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के कारण मौसम अत्यधिक खराब होने से दिनांक 28/10/2026 से 30/10/2026 तक जिला दुर्ग के समस्त विद्यालयों में अवकाश घोषित था।

बार एवं रॉड मिल में सतर्कता जागरूकता कार्यशाला सम्पन्न



भिलाई। इस्पात संयंत्र के बार एवं रॉड मिल विभाग में सतर्कता जागरूकता माह के अंतर्गत सिक्योर भवन के सभागार में सतर्कता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बार एवं रॉड मिल, मर्चेंट मिल तथा वायर रॉड मिल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (बीआरएम एवं एमडब्ल्यूआरएम) श्री योगेश शास्त्री अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में सतर्कता ही बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कार्यस्थल पर पारदर्शिता, जवाबदेही एवं नैतिक मूल्यों के पालन को आवश्यक बताते हुए कहा कि प्रत्येक कर्मचारी को सतर्कता संबंधी नियमों एवं प्रावधानों की जानकारी रखनी चाहिए तथा अपने कार्यक्षेत्र से जुड़ी नवीनतम जानकारियों से निरंतर अपडेट रहना चाहिए। कार्यशाला में सतर्कता विभाग की ओर से महाप्रबंधक सुश्री रेनू गुप्ता एवं उप महाप्रबंधक श्री नवनीत शर्मा ने विस्तृत एवं ज्ञानवर्धक प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने विभिन्न केस स्टडी के माध्यम से सतर्कता संबंधी नियमों, प्रक्रियाओं एवं प्रावधानों की व्यावहारिक जानकारी दी। प्रस्तुतीकरण को रोचक एवं संवादात्मक शैली में प्रस्तुत किया गया, जिससे प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा विभिन्न विषयों पर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।वक्ताओं ने दैनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, ईमानदारी, जवाबदेही एवं सतर्कता बनाए रखने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। कार्यशाला का उद्देश्य कर्मचारियों में सतर्कता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ संगठन में स्वच्छ, पारदर्शी एवं नैतिक कार्यसंस्कृति को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के अंत में श्री योगेश शास्त्री ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com